संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 120 रविवार 02 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

ममता बनर्जी का बीजेपी पर बड़ा आरोप

» वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जुड़वा रही है बीजेपी

» चुनाव अधिकारी ने दी सफाई...

» ममता बनर्जी ने बीजेपी पर वोटर लिस्ट में हेरफेर का आरोप लगाया...

» चुनाव आयोग ने ममता के आरोपों को खारिज किया और प्रक्रिया स्पष्ट की...

» टीएमसी ने वोटर लिस्ट की जांच के लिए घर-घर जांच अभियान शुरू किया

नई दिल्ली,01 मार्च 2025 (ए)। चुनाव आयोग पर कीचड़ फेंकने की रेस में अब ममता बनर्जी भी शामिल हो गई हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी फर्जी वोटरों के नाम जोड़कर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। लेकिन राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। सीईओ ने कहा कि वोटर लिस्ट को अपडेट करने की प्रक्रिया नियमों के मुताबिक ही होती है।

वोटर लिस्ट में हेरफेर को लेकर ममता का बीजेपी पर हमला

ममता बनर्जी ने गुरुवार को बीजेपी पर वोटर लिस्ट में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने महाराष्ट्र और दिल्ली में कथित चुनावी धांधली से इसकी तुलना की। उन्होंने कहा, चुनाव आयुक्त के कार्यालय में बैठकर उन्होंने ऑनलाइन एक नकली मतदाता सूची बनाई है, और पश्चिम बंगाल के हर जिले में नकली मतदाता जोड़े गए हैं। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी ने दूसरे राज्यों में भी ऐसा ही किया है और अब बंगाल में भी यही करने की कोशिश कर रही है।ममता बनर्जी ने कहा, इस चाल से उन्होंने दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव जीते हैं। महाराष्ट्र में विपक्ष इन तथ्यों का पता नहीं लगा सका। अधिकांश नकली मतदाता हरियाणा और गुजरात से हैं। बीजेपी चुनाव आयोग के आशीर्वाद से मतदाता सूची में हेरफेर कर रही है, बंगाल की संस्कृति ने स्वतंत्रता को जन्म दिया। उन्होंने लोगों से वोटर लिस्ट में अपना नाम चेक करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि एनआरसी और सीएए के बहाने असली वोटरों के नाम हटाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, एनआरसी और सीएए के नाम पर किसी भी दिन वास्तविक नाम हटाए जा सकते हैं। इसके दो मुख्य उद्देश्य हैं। एक टीएमसी को हराना है और सूची में व्यक्तियों के नाम हटाना है। यह चुनाव आयोग के आशीर्वाद से किया जा रहा है। डेटा ऑपरेटरों पर नजर रखें। अगर कोई जमीनी स्तर पर है, तो वह टीएमसी है। 2026 के विधानसभा चुनावों में हमें जोर लगाना होगा, और यह मतदाता सूची से शुरू होगा। यह बूथ स्तर पर किया जाना है। जिला अध्यक्ष को इसका ध्यान रखना होगा।

चुनाव अधिकारी ने दी सफाई

सीईओ ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने वोटर लिस्ट अपडेट करने के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, मतदाता पंजीकरण नियम 1960 और मतदाता सूची पर मैनुअल के अनुसार, किसी भी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में संबंधित बीएलओ, एईआरओ, ईआरओ, डीईओ और सीईओ मतदाता सूची के अपडेशन के लिए काम करते हैं। यानी वोटर लिस्ट को अपडेट करने का काम कई अधिकारी मिलकर करते हैं। उन्होंने आगे बताया, यह राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तर के एजेंटों की सक्रिय भागीदारी के साथ किया जाता है। कोई भी विशिष्ट दावा या आपत्ति पहले पश्चिम बंगाल में संबंधित 80,633 बीएलओ, 3,049एईआरओ और 294 ईआरओ के समक्ष की जानी है। मतलब हर पार्टी के लोग इस काम में शामिल होते हैं। फिर भी किसी को कोई शिकायत है तो वो इन अधिकारियों से कर सकता है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने भी बताया कि वोटर लिस्ट बनाने के हर चरण में राजनीतिक दल शामिल होते हैं। अगर किसी पार्टी को कोई आपत्ति है तो उसे तुरंत सुना जाता है। किसी का नाम जोड़ने या हटाने पर चुनाव अधिकारी जांच करते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस ने वहां चुनाव के बाद 48 लाख वोटर जोड़ने पर सवाल उठाए थे। लेकिन सीईओ के पास सिर्फ एक शिकायत पहुंची।

घर-घर जाकर जांच का अभियान

इस कथित धांधली से निपटने के लिए ममता बनर्जी ने एक आईटी मीडिया सेल,पंचायत पार्षदों और एक कोर कमेटी बनाने का ऐलान किया। ये कमेटी वोटर लिस्ट पर नजर रखेगी। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने भी घर-घर जाकर वोटर लिस्ट की जांच शुरू कर दी है। इस अभियान का मकसद वोटर लिस्ट में किसी भी गड़बड़ी का पता लगाना है। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम खुद दक्षिण कोलकाता में इस अभियान में शामिल हुए।

महत्वपूर्ण खबर

हाईकोर्ट ने आरोपी को अग्रिम जमानत दी

महिला के झूठे आरोपों पर सख्त टिप्पणी की

नई दिल्ली,01 मार्च 2025 (ए)। केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि आपराधिक मामलों, खासकर यौन अपराधों में यह मान लेना कि शिकायतकर्ता का हर बयान सत्य होता है, गलत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने एक महिला कर्मचारी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत देने के दौरान यह बातें कही हैं।

न्यूज चैनल डिबेट के दौरान आईआईटी बाबा के साथ मारपीट का विस्फोटक आरोप

नोएडा,01 मार्च 2025 (ए)। महाकुंभ में आईआईटी बाबा के नाम से फेमस अभय सिंह के साथ नोएडा में मारपीट हुई। आईआईटी बाबा ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर घटना की जानकारी दी। कहा- पहले मुझे पीटा, फिर कमरे में बंद कर दिया। आईआईटी बाबा नोएडा में एक निजी चैनल के कार्यक्रम में गए थे। वहां उनके साथ बदसलूकी और मारपीट हुई। इसके बाद नोएडा सेक्टर-26 पुलिस थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। हालांकि बाद में पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर वापस भेजा।

कोर्ट परिसर में फायरिंग से हड़कंप,बड़े अफसर मौके पर

अंबाला,01 मार्च 2025 (ए)। हरियाणा के अंबाला जिला गोलियां की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। आज दिनदहाड़े एक काली कार में सवार होकर अपराधी अदालत परिसर में घुसे। उन्होंने अमन नाम के युवक पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। अमन अपनी पेशी के लिए आया था। अपराधियों ने दो-तीन राउंड फायरिंग की और भाग गए। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को मौके से दो खोके और एक सिक्का मिला है। इस गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस अपराधियों की तलाश कर रही है।

52,000 बच्चे कहां से आए ?

फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट का खुलासा, ऐसे पकड़ी गई गड़बड़ी

रायबरेली,01 मार्च 2025 (ए)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में पिछले साल जुलाई में पकड़े गए फर्जी प्रमाणपत्रों के आंकड़े दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं.

जांच में सामने आया है कि पिछले कुछ ही महीनों में 52 हजार से ज्यादा बच्चों के फर्जी प्रमाण बनवाए गए हैं. फर्जीवाड़े की घटना को अंजाम देने के लिए गलत तरीके से फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाए जा रहे थे. मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने बताया कि फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों को रद्द करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है.

मुस्लिम लड़की का हिंदू दोस्त लड़का हुआ लापता

शेख की बेटी से दोस्ती करना युवक को पड़ा महंगा, हाईकोर्ट की शरण में पीड़ित परिवार

जबलपुर,01 मार्च 2025(ए)। मध्य प्रदेश के जबलपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां मुस्लिम युवती से दोस्ती करने वाला हिंदू युवक अचानक लापता हो गया। जिसके बाद परिवार ने हाईकोर्ट में उसकी तलाश करने की याचिका लगाई है। यह पूरा मामला लॉर्डगंज थाना क्षेत्र का है।

8वें दिन तक भी सुरंग में फंसे 8 लोगों का निकालने का प्रयास असफल

टनल में फंसे 8 लोगों तक पहुंचने का प्रयास जारी

नागरकुरनूल,01 मार्च 2025 (ए)। तेलंगाना में श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का हिस्सा ढह जाने की घटना के आज आठ दिन पूरे हो गए। इस हादसे में सुरंग में फंसे 8 लोगों को निकालने में बचाव दल अभी तक सफल नहीं हो सके हैं। इस बीच टीबीएम मशीन को काटने का काम जारी है। उम्मीद है कि इसके बाद फंसे लोगों तक पहुंचा जा सकता है।
रिपोर्ट के अनुसार बचाव दल फंसे हुए लोगों तक पहुंचने के लिए सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) को काट रहे हैं। अधिकारियों ने कि टनल में फंसे लोगों को बचाने का प्रयास जोरों पर है। नागरकुरनूल के पुलिस अधीक्षक वैभव गायकवाड़ ने कहा कि एनडीआरएफ, सेना, सरकारी खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज, रैट माइनर्स और अन्य एजेंसियों के कर्मियों वाली टीमें लगातार काम कर रही है।

एसपी ने कहा कि बचाव अभियान जारी है. एक टीम शनिवार सुबह सुरंग के अंदर गई. पानी निकालने और मलबा हटाने का काम भी साथ-साथ चल रहा है। उन्होंने कहा कि आगे का रास्ता साफ करने के लिए टीबीएम के हिस्सों को भी काटा जा रहा है।
फंसे हुए लोगों की तलाश करने के लिए उस स्थान तक पहुंचने में जो भी बाधाएं आ रही हैं, हमें उन्हें हटाना होगा।

चमोली हादसे में 4 मजदूरों की मौत

सेना ने बचाईं 50 जिंदगियां, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

चमोली,01 मार्च 2025 (ए)। उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा गांव में बीआरओ कैंप पर ग्लेशियर टूटने से राहत और बचाव कार्य में जुटीं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई टीबीपी) और सेना की टीमों ने 55 में से 50 मजदूरों को बाहर निकाल लिया । भारतीय सेना के पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने चार लोगों की मौत की पुष्टि कीं ।भी भी सेना और एनडीआरएफ की टीमें बचाव और राहत कार्य में जुटी हुई हैं दूसरी ओर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया और अधिकारियों को बचाव अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धामी से बात की और उन्हें पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। दूसरी ओर, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान के लिए चार टीमें भेजी हैं, जबकि चार और टीमें स्टैंडबाय पर हैं। खराब मौसम के बावजूद बाकी लोगों को बचाने के प्रयास जारी हैं। अब तक 55 में से 50 मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया है और भारतीय सेना ने 14 नागरिकों को भी बचाया है।

12 वीं के बाद 10 वीं का भी पेपर लीक

नई दिल्ली,01 मार्च 2025 (ए)। हरियाणा बोर्ड 10 वीं और 12 वीं का पेपर लीक होने के बाद हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव अजय चोपड़ा ने आनन फानन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी है। उन्होंने बताया कि अभी तक पेपर लीक केस में पांच छात्रों पर एफआईआर दर्ज की गई है और दो शिक्षकों को परीक्षा ड्यूटी में लापरवाही बरतने के कारण हटा दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि बोर्ड पूरी तरह विफल नहीं हुआ है, बल्कि सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।
हरियाणा बोर्ड 12 वीं क्लास का अंग्रेजी और 10 वीं क्लास का गणित का पेपर लीक हो गया,जिससे बोर्ड की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं.। इस पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव अजय चोपड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने सरकारी स्कूलों की टूटी हुई खिड़कियों को जल्द ठीक करवाने की भी बात कही, ताकि नकल की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।
शिक्षा बोर्ड सचिव अजय चोपड़ा ने बताया कि जैसे ही पेपर लीक की जानकारी मिली, बोर्ड की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। नकल रोकने और बाहरी हस्तक्षेप को कम करने के लिए हर जिले के एसपी को अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि शिक्षा विभाग या बोर्ड से जुड़ा कोई कर्मचारी परीक्षा में कोताही बरतता है, तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर चार्जशीट की जाएगी।

1 अप्रैल से पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

» राज्य सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली,01 मार्च 2025 (ए)। राजधानी में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। 1 अप्रैल 2024 से 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल और डीजल वाहनों को दिल्ली के पेट्रोल पंपों से ईंधन नहीं मिलेगा। यह घोषणा पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को की।

पुराने वाहनों की पहचान के लिए पेट्रोल पंपों पर लगेगा खास सिस्टम

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि पेट्रोल पंपों पर ऐसे गैजेट लगाए जाएंगे, जो 15 साल से अधिक पुराने वाहनों की पहचान करेंगे और उन्हें ईंधन देने से रोकेंगे। इस निर्णय को लागू करने के लिए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय को भी सूचित किया जाएगा।

प्रदूषण रोकने के लिए अन्य सख्त कदम

सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कई और सख्त कदम उठाने का फैसला किया है-
ऊंची इमारतों, होटलों और वाणिज्यिक परिसरों में एंटी-स्मॉग गन होगा अनिवार्य।
90 प्रतिशत सार्वजनिक सीएनजी बसों को 2025 तक हटाया जाएगा और उनकी जगह इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी।
दिल्ली में इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जाएगा।

दिल्ली वालों के लिए क्या बदलेगा ?

15 साल पुराने वाहनों के मालिकों को या तो अपने वाहनों को स्क्रैप करवाना होगा या फिर वैकल्पिक ईंधन में परिवर्तित करवाना होगा।
यदि कोई पुराना वाहन सड़कों पर पाया जाता है, तो दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग उसे जब्त कर सकता है।
सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ने से लोगों को प्रदूषण रहित परिवहन सुविधा मिलेगी।

पर्यावरण मंत्री का बयान

बैठक के बाद सिरसा ने कहा, हम दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए यह सख्त कदम उठा रहे हैं। पुराने वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण है, जिसे रोकना जरूरी है।

नियम तोड़ने पर होगी कड़ी कार्रवाई

दिल्ली सरकार ने साफ कर दिया है कि 1 अप्रैल के बाद अगर कोई 15 साल पुराना वाहन सड़क पर चलता पाया गया, तो उसे जब्त कर लिया जाएगा और मालिक पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

14 साल तक की लड़कियों को मिलेगी मुफ्त कैंसर वैक्सीन

सरकार ने कर दिया बड़ा ऐलान

मुंबई,01 मार्च 2025 (ए)। महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य सरकार ने 14 साल तक की आयु वर्ग की लड़कियों के लिए मुफ्त कैंसर वैक्सीन उपलब्ध कराने की घोषणा की है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने शनिवार को इस योजना की जानकारी दी।

अक्टूबर 2023 के बाद पैदा हुए लोगों का बर्थ सर्टिफिकेट के बिना नहीं बनेगा पासपोर्ट

नई दिल्ली,01 मार्च 2025 (ए)। पासपोर्ट बनाने को लेकर नया नियम लागू हो गया है। 1 अक्टूबर, 2023 के बाद जन्मे सभी लोगों को अब पासपोर्ट के लिए आवेदन करते समय जन्म प्रमाण पत्र देना होगा। नए नियमों के तहत, 1 अक्टूबर 2023 या उसके बाद जन्म लेने वाले आवेदकों के लिए जन्म प्रमाणपत्र ही जन्मतिथि का एकमात्र वैध प्रमाण माना जाएगा। वहीं, पुराने आवेदक अन्य दस्तावेजों का विकल्प चुन सकते हैं। इससे लोगों को सुविधा होगी और कई दस्तावेज रखने की जरूरत नहीं होगी।

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने फिर छेड़ दी बहस

हफ्ते में 80-90 घंटे करना होगा काम

नई दिल्ली,01 मार्च 2025 (ए)। अमिताभ कांत ने काम के घंटे को लेकर फिर से बहस छेड़ दी है। उन्होंने कहा है कि कड़ी मेहनत न करने के बारे में बात करना फैशनेबल हो गया है। भारतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए। सप्ताह में 80 घंटे हो या 90 घंटे काम करना चाहिए।हफ्तेभर में ज्यादा घंटे काम करने को लेकर पिछले कुछ समय में काफी विवाद हुआ है। पहले इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम करने की बात कही और फिर एल एंड टी चेयरमैन ने 90 घंटे की बात बोली। अब इस लिस्ट में नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत भी जुड़ गए हैं। जी-20 शेरपा कांत ने कहा है कि भरतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और हफ्ते में 80-90 घंटे काम करना चाहिए। भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अथक परिश्रम की आवश्यकता है, न कि वर्क लाइफ बैलेंस के प्रति जुनून की।

संपादकीय

जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर

धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वायत्त प्रशासनिक एजेंसियों का कर्त्व्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही है। प्रयागराज में गंगा जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर है। इसमें मुख्य मुद्दा पर्यावरण की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने वाली भारत की सर्व-प्रमुख एजेंसी की केंद्रीय और उत्तर प्रदेश इकाई के बीच मतभेद का है।प्रश्न है कि ये एजेंसियां सभी स्तरों पर स्वायत्त ढंग से काम करती हैं, या ये सत्ताधारी दलों के सियासी एजेंडे से प्रभावित भी हो जाती हैं? स्वागतयोग्य है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने इसे गंभीरता से लिया है और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) से जवाब तलब किया है।पूछा है कि क्या यूपीपीसीबी की गंगा जल की स्वच्छता संबंधी रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निष्कर्षों के विपरीत थी। सीपीसीबी लगातार पांच दिन के नमूनों की जांच के बाद इस नतीजे पर पहुंचा कि संगम का पानी पीने और नहाने योग्य नहीं है। फिर भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि ये पानी नहाने और आचमन दोनों के योग्य है।इसके पक्ष में उन्होंने यूपीपीसीबी की रिपोर्ट का हवाला दिया। अब एनजीटी ने सीपीसीबी की रिपोर्ट की रोशनी में यूपीपीसीबी से जल की गुणवत्ता के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।सीपीसीबी के मुताबिक कई स्थानों पर गंगा में फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मान्य स्टैंडर्ड से 1400 गुना और यमुना में 660 गुना ज्यादा मिला। 19 जनवरी को तो हर 100 मिलीलीटर में ये मात्रा सात लाख अधिकतम संभव संख्या (एमपीएन) तक पहुंच गई, जबकि इसे 500 के अंदर होना चाहिए।इस रूप में संगम का पानी नहाने योग्य जल के लिए तय प्रतिमान पर खरा नहीं उतरता। तो जाहिर है, लोगों ने वहां अपनी सेहत के लिए भारी जोखिम लेकर स्नान किया। धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वायत्त प्रशासनिक एजेंसियों का कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही है।कोई सरकार अपने सियासी तकाजों के तहत इससे मुंह मोड़ भी रही हो, तो एजेंसियों को ऐसा कतई नहीं नहीं करना चाहिए। आशा है, इस मामले में एनजीटी बिना किसी दबाव से प्रभावित हुए बेहतरीन मिसाल कायम करेगा।

कामुकता को स्वछन्द करती पॉप संस्कृति

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

आजकल, हमारी इच्छाएँ और धारणाएँ अक्सर फिल्मो और टेलीविजन पर दिखाई जाने वाली छवियों और कथाओं से प्रभावित होती हैं। ये चित्रण प्रायः रूढ़िवादिता की ओर अधिक झुके होते हैं। उदाहरण के लिए, पारंपरिक रूप से आकर्षक महिलाओं पर ज़ोर देने से लड़कियों और महिलाओं में उन जैसा दिखने की भावना पैदा हो सकती है। पॉप संस्कृति के उपभोक्ताओं के रूप में, हमारे लिए इसे आलोचनात्मक दृष्टि से देखना आवश्यक है। हमारे तेजी से विकसित होते समाज में, पॉप संस्कृति हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण पहलू बन गई है। फिल्मों, संगीत, टीवी कार्यक्रमों और सोशल मीडिया का प्रभाव लैंगिक भूमिकाओं और रूढ़ियों के बारे में हमारे विचारों को महत्त्वपूर्ण रूप से आकार दे सकता है। इसके अतिरिक्त, मीडिया अक्सर सुंदरता के संकीर्ण मानकों को बढ़ावा देता है, तथा पतले शरीर और गोरी त्वचा को तरजीह देता है। यह बात गोरेपन की क्रीम के विज्ञापनों के प्रचलन और बॉलीवुड में गोरी त्वचा वाली अभिनेत्रियों को प्राथमिकता दिए जाने से स्पष्ट है, जो रंगभेद को बढ़ावा देता है।

महिलाओं को समाज के हर पहलू में पूर्णतः और समान रूप से भाग लेने का मौलिक अधिकार है। फिर भी, कार्यस्थल, मनोरंजन और राजनीति जैसे क्षेत्रों में, वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों का प्रतिनिधित्व काफ़ी कम है। समय के साथ इस लैंगिक असमानता से प्रगति की धीमी गति का पता चलता है। पितृसत्तात्मक मानदंडों और परंपराओं का प्रभाव व्यापक और हानिकारक है, जो महिलाओं और लड़कियों के साथ-साथ उनके परिवारों और समुदायों के व्यक्तिगत, वित्तीय और भविष्य की भलाई को प्रभावित करता है। भारत में, पॉप संस्कृति और मनोरंजन मीडिया का प्रभाव लैंगिक मानदंडों और सामाजिक दृष्टिकोण को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही धारणाओं, व्यवहारों और कानूनी चर्चाओं को प्रभावित करता है। हालांकि ये माध्यम सामाजिक परिवर्तन ला सकते हैं, लेकिन ये रूढ़िवादिता को भी क़ायम रखते हैं। हमारी तेजी से विकसित होती दुनिया में, पॉप संस्कृति हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गई है। फ़िल्में, संगीत, टेलीविजन कार्यक्रम और सोशल मीडिया हमारी विश्वदृष्टि और अपेक्षाओं को आकार देते हैं। विशेष रूप से लैंगिक भूमिकाओं और रूढ़ियों के सम्बंध में-जैसे कि यह धारणा कि लड़कियों को गुड़ियों से खेलना चाहिए, जबकि लड़कों को कारों से खेलना चाहिए। पुरुषत्व और स्त्रीत्व पर समाज के

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

विचार मीडिया से काफ़ी प्रभावित होते हैं। उदाहरण के लिए, बॉलीवुड की फ़िल्म कबीर सिंह (2019) में मर्दानगी का एक ऐसा संस्करण दिखाया गया, जिसमें पुरुषों के आक्रामक और हावी व्यवहार का महिमामंडन किया गया। इसी प्रकार, मीडिया में पेशेवर भूमिकाओं का चित्रण कैरियर की आकांक्षाओं को आकार देता है। फ़िल्म कारगिल गर्ल (2020) ने लैंगिक भूमिकाओं में बदलाव पर प्रकाश डालते हुए सेना में महिलाओं की भर्ती को प्रोत्साहित किया। मनोरंजन मीडिया अक्सर लैंगिक न्याय पर राष्ट्रीय चर्चा को बढ़ावा देता है, जैसा कि सत्यमेव जयते कार्यक्रम में देखा गया। जो घरेलू हिंसा और कन्या भ्रूण हत्या जैसे मुद्दों को सामने लाया। लम्बे समय से चल रहे टेलीविजन धारावाहिक भी पारिवारिक लैंगिक भूमिकाओं को स्थापित करते हैं, तथा भारतीय धारावाहिकों में आमतौर पर देखी जाने वाली आज्ञाकारी बहू की रूढ़िबद्ध छवि को क़ायम रखते हैं। जनांदोलनों और सक्रियता के बीच सम्बंध को अक्सर मीडिया प्रतिनिधित्व द्वारा सुगम बनाया जाता है। फ़िल्म छपाक (2020) ने एसिड अटैक सर्वाइवर्स के संघर्षों पर प्रकाश डाला और आईपीसी के तहत सख्त दंड सहित कानूनी सुधारों की वकालत की। यद्यपि लोकप्रिय संस्कृति ने भेदभावपूर्ण लैंगिक मानदंडों को सुदृढ़ करने में भूमिका निभाई है। इसमें उन्हें चुनौती देने और बदलने की शक्ति भी है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण है द मार्वल्स मिसेज। मैसेल, 1950 और 1960 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें गृहिणी मिरियम मैसेल को स्टैंड-अप कॉमेडी में अपनी प्रतिभा का पता चलता है। इस श्रृंखला को न केवल आलोचनात्मक प्रशंसा मिली, बल्कि इसमें महिला सशक्तिकरण, सपनों की खोज और आदर्श गृहिणी की सामाजिक अपेक्षाओं से मुक्ति जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को भी उठाया गया। यह लोकप्रिय संस्कृति में अनेक उदाहरणों में से एक है। संगीत और फ़िल्में प्रायः प्रेम को नियंत्रित और अधिकारपूर्ण दृष्टिकोण से चित्रित करती हैं। कुछ बॉलीवुड गाने जुनूनी पुरुष प्रेमी की छवि को क़ायम रखते हैं। एक्शन फ़िल्मों में अक्सर आक्रामक, प्रभावशाली पुरुषों को रोल मॉडल के रूप में दिखाया जाता है। हाल ही में प्रदर्शित फ़िल्मों में हिंसक और सत्तावादी पुरुष नायकों को प्रमुखता से दिखाया गया है। महिलाओं को आमतौर पर पालन-पोषण करने वाली भूमिकाओं में दिखाया जाता है, जबकि पुरुषों को अधिकार वाले पदों पर रखा जाता है। हालाँकि, फ़िल्म तुम्हारी सुलु (2017) ने अपरंपरागत करियर में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को प्रदर्शित करके इन मानदंडों को चुनौती दी। मीडिया अक्सर सुंदरता के आदर्श के रूप में पतलेपन और गोरी त्वचा को बढ़ावा देता है, गोरापन लाने वाली क्रीम के विज्ञापन प्रचलित हैं, जो बॉलीवुड में गोरी त्वचा वाली अभिनेत्रियों के प्रति वरीयता और रंगभेद को बढ़ावा देने को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, समलैंगिक पात्रों को अक्सर हास्य के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, तथा कुछ फ़िल्में व्यंग्यात्मक चित्रण के माध्यम से समलैंगिक आकर्षण को महत्त्वहीन बना देती हैं। हालांकि मनोरंजन मीडिया ने सामाजिक मुद्दों को आगे बढ़ाने और लैंगिक जागरूकता बढ़ाने में भूमिका निभाई है, लेकिन यह हानिकारक आख्यानों को भी बढ़ावा देता है। भविष्य में सार्थक सामाजिक परिवर्तन के लिए, लिंग-संवेदनशील प्रतिनिधित्व, विविध चित्रण और जिम्मेदार कहानी कहने पर अधिक ज़ोर देने की आवश्यकता है। मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति महिलाओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण, लैंगिक समानता और सामाजिक मानदंडों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण प्रभाव डालती है। फ़िल्में, टेलीविजन, विज्ञापन और सोशल मीडिया या तो उन रूढ़ियों को मज़बूत कर सकते हैं जो महिला सशक्तिकरण में बाधा डालती हैं या फिर सकारात्मक बदलाव के लिए शक्तिशाली एजेंट के रूप में काम कर सकती हैं।

गृहमंत्री शाह और कैलाश विजयवर्गीय की स्टेट हैंगर पर हुई परस्पर भेंट आई चर्चा में

- » मायने तलाशती एक मुलाकात
- » शाह से विजयवर्गीय की एकांत बातचीत ने प्रदेश में बढ़ाई राजनीतिक जिज्ञासा
- » ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन पर आए शाह को लौटते वक्त अचानक याद आये कैलाश
- » शाह बिदा होते होते रुके, विजयवर्गीय को फोन कर बुलाया, सीहोर से लौटकर विमानतल पहुँचे कैलाश
- » प्रदेश अध्यक्ष की चल रही कसरत के बीच शाह-विजयवर्गीय मुलाकात अहम
- » सीएम से रिश्तों से लेकर सरकार से फिर संगठन में विजयवर्गीय के लौटने से जुड़ी मुलाकात

शाह और विजयवर्गीय के बीच की आत्मीयता किसी से छुपी नही हुई हैं। ये आत्मीयता आज कल की भी नही। ये शाह के गुजरे गुजरात दौर के वक्त से जुड़ी हुई हैं। उस कठिन दौर का रिश्ता अब अनुकूल हालातों में भी उसी गर्मजोशी से निभाया जा रहा हैं, जैसा बुरे दौर में था। ये विजयवर्गीय के 10 बरस दिल्ली में गुजरने से स्पष्ट भी होता हैं। जितने वक्त प्रदेश की सत्ता ने विजयवर्गीय को दूर रखा, उतने ही वक्त इसी रिश्ते ने दिल्ली में विजयवर्गीय को बनाये रखा। कद बनाये व बढ़ाए रखा। उसी आत्मीयता की एक झलक स्टेट हैंगर पर झलक आई और खबरों का बाज़ार गर्म हो गया। अमित शाह ने विजयवर्गीय को स्टेट हैंगर पर बुलाया और अकेले में बात की...इस एक लाइन ने प्रदेश में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बराबर की चर्चा पा ली है। सब तरफ उस 20 मिनट के चर्चे है, जो दोनों नेताओं ने बन्द कमरे में गुजारे। मुलाकात हुई, कुछ बात हुई, ये बात किसी से न कहना कि तर्ज पर दर्ज हो गई। लेकिन् इस ख़ामोश मुलाकात ने प्रदेश भाजपा की राजनीतिक गलियारों में शोर बहुत मचा रखा हैं। दो दिन होने आए मुलाकात के लेकिन् शोर खत्म होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा हैं। ...तिजारती मेल-मुलाकात वाले समागम और माहौल में हुई एक राजनीतिक मुलाकात पूरे निवेश कुंभ पर भारी पड़ गई। राज्य में कितना निवेश आया, कितने प्रस्ताव बने, किस सेक्टर में निवेशकों ने रुचि दिखाई, इससे ज़्यादा चर्चा इस राजनीतिक मुलाकात की हो रही हैं। जबकि समिट का अगला दिन, निवेश की चर्चाओं का रहता है लेकिन मध्यप्रदेश में इसके उलट राजनीतिक चर्चाओं का बाज़ार गर्म हो गया। निवेश कुंभ के समापन और इस मुलाकात को हुए दो दिन हो गए, पर इस पर चर्चा, कयास, समीकरण 25 से 27 फ़रवरी तक यथावत हैं। कुछ ठोस फ़िर भी सामने नही आ रहा हैं। लेकिन मायने तलाशती इस मुलाकात ने प्रदेश भाजपा के अंदर चल रही उठापटक का खुलासा तो कर ही दिया हैं। ये भी साफ़ कर दिया कि , सरकार के रिश्ते अपने अधीनस्थों से वैसे नही, जैसे गर्मजोशी से पूर्व हुआ करते थे। मायने तलाशती ये मुलाकात देश के गृहमंत्री अमित शाह और प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बीच हुई थी। ये मुलाकात सामान्य न थी। लिहाजा चर्चा में हैं। मुलाकात के तौर तरीकों ने इसे चर्चा में ला दिया। ये मुलाकात ऐसे समय हुई जब शाह, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन सत्र को खत्म कर भोपाल से बिदा ले रहे थे। विमानतल पर पहुँचे वे तो उन्हें बिदा करने आये नेताओ में विजयवर्गीय नज़र नही आये। जबकि वे समिट मंच पर थे। स्टेट हैंगर पर निवेश से जुड़े महकमे के वरिष्ठ मंत्री को न पा कर गृहमंत्री ने विजयवर्गीय का पूछा। उन्हें ये तो बताया गया कि वे इंदौर के लिए निकल गए लेकिन शाह को ये नही बताया कि उनका नाम बिदा करने वाले नेताओं की लिस्ट में नही था। जबकि शाह के आगमन पर स्वागत वाली लिस्ट में विजयवर्गीय का नाम मौजूद था। लिहाज़ा वे भी आगमन के वक्त मौजूद थे। गृहमंत्री शाह ने फोन कर विजयवर्गीय को बुलावा भेजा। तब तक विजयवर्गीय बैरागढ़ को पार कर सीहोर के रास्ते आ पहुँचे थे। तुरंत वे लौटे ओर सीधे स्टेट हैंगर पहुँचे जहां शाह उनका इंतजार कर रहें थे। यहां दोनों नेताओं के बीच करीब 20 मिनिट बातचीत हुई और वह भी एकांत में। बस इसी एकांत की खामोश मुलाकात ने, मुलाकात खत्म होते ही ऐसा शोर मचाया...जो आज तक खत्म नही हुआ। जबकि नेताओ की तरफ़ से इसे हमेशा की तरह सामान्य मेल मुलाकात करार दिया लेकिन् प्रदेश की राजनीति के जानकारों के दिल मे इत्ते से जवाब से करार नही आ रहा। वे इस मुलाकात के एक नही अनेक मायने निकाल रहे हैं। इस मुलाकात को कुछ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व नगरीय प्रशासन मन्त्री कैलाश विजयवर्गीय के बीच चल रहे शीत युद्ध से जोड़ रहें हैं कि दोनों के बीच अब रिश्ते उस्ताद-चेले जैसे नही रहें। लेकिन् इस कयास को चित्रकूट समिट के कारण बल नही मिल रहा। क्योंकि इस तरह की सुलह जाजम साल की शुरुआत में रामजी की नगरी में बिछ चुकी थीं। उसके बाद एक तरह से सब सामान्य है भी। कुछ न इस मुलाकात को प्रदेश भाजपा में अध्यक्ष पद पर बदलाव से जोड़ा। क्योंकि प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष सन्निकट हैं, लिहाज़ा इस बात को बल मिला भी। लेकिन् इसे भी ये कहते ख़ारिज कर दिया कि इसके लिए स्टेट हैंगर जैसा स्थान और घर लौटते नेता को वापस बुलाया नही जाता। ऐसे मसले फ़ोन पर भी निपट जाते हैं। मुलाकात के मायने विजयवर्गीय के पुनः संगठन में लौट जाने से भी जोड़े जा रहें हैं। लेकिन् कैलाश की बॉडी लेंग्वेज इशारा नही कर रही है कि वे सत्ता से किनारा करने जा रहें हैं। न प्रदेश के अभी राजनीतिक हालात कोई चुनावी है जो वे संगठन को पकड़ ले, सत्ता त्याग दे। सरकार से उनके रिश्ते कम ज्यादा हो सकते है लेकिन् सरकार में उनका रुतबा तो कायम ही है और रहना भी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष की चल रही रेस तक से जाकर इस मुलाकात को जोड़ा गया। लेकिन् इस बात को बल इसलिए नही मिल रहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का राष्ट्रीय अध्यक्ष चयन में कुछ हटकर व बड़ा करने का मन बना हुआ हैं और वह उत्तर नही, दक्षिण की तरफ़ देख रही हैं। ऐसे में फिर से हिंदी पट्टी को अध्यक्षी का पट्टा मिले, संभावनाएं कम नज़र आ रही हैं। हा, नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नई टीम का हिस्सा होना इसमे शामिल नही हैं।

-नितिन मोहन शर्मा-

क्या भाजपा एक नए क्षेत्रीय हिंदुत्व आइकॉन की तलाश में हैं?

क्या भाजपा वर्ष 2029 में होने वाले लोक सभा चुनावों से पहले किसी बड़े क्षेत्रीय हिंदुत्व आइकॉन की तलाश में है जो खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के खोये हुए जनाधार को फिर से वापस ले आए और मध्य प्रदेश में पार्टी के जनाधार को मजबूती से बनाये रख सके। देखना यह है कि 2029 के चुनावों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के पीएम फेस बने रहते हैं या नहीं पर दोनों ही परिस्थितियों में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के मन में 2024 के परिणाम पीछा करते रहेंगे जबकि भाजपा उत्तर प्रदेश में 63 सीट से नीचे आकर 33 सीट पर सिमट गयी और 400 पार के नारे के बावजूद 240 सीट पर सिमट गयी। पार्टी का उत्तर प्रदेश में अंकगणित खराब हुआ इस बात के बावजूद कि भाजपा यहाँ डबल इंजन के सरकार की बात लगातार करती रही और योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व ब्रांड के एक प्रमुख चेहरा बने रहे। यह सोचना कि भाजपा 2029 के चुनावों में हिंदुत्व के नैरेटिव पर चुनाव नहीं लड़ेगी महज एक अकादमिक चर्चा के लिए तो ठीक है पर वास्तविकता में ऐसा होगा नहीं। इसके बावजूद भी पार्टी नहीं चाहेगी कि उत्तर प्रदेश में वही परिणाम दुहराए जाएँ जो परिणाम 2024 में आए थे। 2029 के पहले उत्तर प्रदेश में 2027 में और मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 2028 में विधान सभा चुनाव होंगे। मगर विधान सभा के परिणाम का इंतज़ार करने के बजाय भाजपा अभी से अपना चुनावी गणित विशेषकर उत्तर प्रदेश में ठीक करने में लगी है। प्रयागराज में महाकुम्भ 144 साल बाद आयोजित हो रहा है यह बात केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों के द्वारा प्रचारित किया गया। परिणामस्वरूप पूरे देश से हिन्दुओं की आस्था का सैलाब प्रयागराज की तरफ उमड़ पड़ा। महाकुम्भ में भगदड़ और मौतें और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए भगदड़ और मौतों ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों की व्यवस्थाओं पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा दिया पर फिर भी जनता इसको लेकर सरकारों के खिलाफ आंदोलित हो गयी हो ऐसा दिखा नहीं। पर आस्था का सैलाब 2029 में वोटों के अंकगणित में बदल जाए और 400 पार का नारा चरितार्थ हो जाए इस बात पर विश्वास करके पार्टी अपनी चुनावी रणनीति नहीं बना सकती। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व किसी किन्तु परन्तु की बजाय ऐसे ठोस रणनीति पर काम करना चाहेगा या काम कर रहा है जिससे उसे 2029 में पूर्ण बहुमत मिले और चौथी बार लगातार सरकार बनाने के लिए जदयू या टीडीपी जैसे किसी बैसाखी की जरूरत ना पड़े। इसलिए भाजपा अपने हिंदुत्व की धार को और तेज करना चाहेगी और उसके लिए एक ऐसे चेहरे की जरूरत पड़ सकती है जो पहले से आजमाया हुआ ना हो और हिन्दुओं के बड़े वर्ग में उसकी स्वीकारोक्ति हो। तो क्या अब बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री भाजपा के नए हिंदुत्व आइकॉन या अस्त्र हो सकते हैं? जिस तरह से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में जाने का प्रोग्राम बनाया और धीरेन्द्र शास्त्री को अपना छोटा भाई बताते हुए उनपर अपना स्नेह उड़ेला उससे तो यही लगता है कि भाजपा नेतृत्व उनकी बढ़ती हुयी लोकप्रियता को देखते हुए उनसे चमत्कृत है। प्रधान मंत्री ने बागेश्वर धाम में बालाजी सरकार कैंसर इंस्टीट्यूट का शिलान्यास ही नहीं किया बल्कि वहां एक जनसभा को भी सम्बोधित किया। अप्रत्यक्ष रूप से प्रधान मंत्री ने धीरेन्द्र शास्त्री के पर्ची निकालने विधा की प्रशंसा तक की । उन्होंने धीरेन्द्र शास्त्री की माताजी से यह कहा कि उनके मन में चल रही बात की पर्ची उनके पास है और वह यह कि वे अपने बेटे की शादी देखना चाहती हैं। इन पक्तियों को लिखे जाने तक भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी बागेश्वर धाम पहुँच चुकी हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी वहां जा चुके हैं और धीरेन्द्र शास्त्री की प्रशंसा कर चुके हैं। धीरेन्द्र शास्त्री अपने मंचों से हिन्दू राष्ट्र की वकालत करते रहे हैं। भाजपा इसपर अपनी मुहर तो नहीं लगाती पर उसकी चुनावी राजनीति में ऐसे नारे या भाषण उसको सम्बल ही प्रदान करते हैं। तर्कवादियों की नजर में धीरेन्द्र शास्त्री की विधा सिर्फ एक ढोंग है। 2023 में उनके महाराष्ट्र दौरे के दौरान तर्कवादियों ने उन्हें उनकी सिद्धि को साबित करने की चुनौती दी थी। पर धीरेन्द्र शास्त्री वहां से वापस चले आए और दावा किया कि वो मैदान छोड़कर नहीं भागे बल्कि उनकी वहां से वापस आने का प्लान पूर्व निर्धारित था। पिछले वर्ष गुरुशरण महाराज (पंडोखर सरकार) के विरुद्ध उनके द्वारा कथित रूप से धीरेन्द्र शास्त्री के विरुद्ध आपत्तिजनक बयान देने पर कोर्ट में एक आवेदन दाखिल किया गया था। जाहिर है धीरेन्द्र शास्त्री के बारे में जनता में दो मत है पर फिर भी बहुत से लोग उन्हें सिद्ध पुरुष मानकर उनके दरबार में जाते हैं और अपनी समस्याओं के निराकरण की अपेक्षा रखते हैं। धीरेन्द्र शास्त्री बुंदेलखंड से आते हैं जो उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ है। देखना यह है कि आने वाले समय में शास्त्री भाजपा के किसी प्लान का हिस्सा बनते हैं या अपनी भूमिका को गैर राजनीतिक बनाये रखते हैं।

-रंजन श्रीवास्तव-

जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश

विज्ञान मानव को जीवन जीने की एक दृष्टि देता है। चिंतन की आधारभूमि भेंट कर चलने को उजास भरा पथ प्रदान करता है। वास्तव में विज्ञान जीवन से जडता, अविद्या, अंधविश्वास, अतार्किता एवं संशय से मुक्ति का नाम है। विज्ञान व्यक्ति को तर्कशील एवं प्रयोगधर्मी बनाकर सवाल खड़े करने की सामर्थ्य पैदा करता है। विज्ञान मानवीय मेधा का उच्चतम आदर्श है। वसुधा के सौंदर्य को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए प्राणिमात्र के लिए प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपभोग का मार्गदर्शन ही विज्ञान है। विज्ञान में समस्या है तो समाधान भी, कल्पना है तो प्रयोग भी। सवाल हैं तो उत्तरों की तह तक पहुंच सत्य का साक्षात्कार करने का सत्संकल्प भी। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के माध्यम से हम इस भाव एवं चेतना को सिंचित कर समृद्ध करते हैं। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् एवं विज्ञान मंत्रालय द्वारा युवाओं एवं बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं विज्ञान अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से 1986 से प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। उल्लेखनीय है 28 फरवरी, 1928 को ही सी.वी. रमन ने लोक सम्मुख अपनी विश्व प्रसिद्ध खोज 'रमन प्रभाव' की घोषणा की थी। 'रमन प्रभाव' के लिए ही 1930 में सी.वी. रमन को नोबेल पुरस्कार मिला था। सी.वी. रमन एशिया के पहले भौतिक शास्त्री थे जिन्हें नोबेल पुरस्कार मिला है। अमेरिकन केमिकल सोसायटी ने 1998 में 'रमन प्रभाव' को अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान के इतिहास की एक युगान्तकारी घटना के रूप में स्वीकार किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वास्तव में 'रमन प्रभाव' के स्मरण के साथ जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का दिन है, जिसकी हमें जरूरत है। चंद्रशेखर वेंकटरमन का जन्म 7 नवम्बर, 1888 को तमिलनाडु में कावेरी के तटपर स्थित तिरुचिरापल्ली नामक स्थान पर एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। आपकी माता पार्वती अम्मा कुशल गृहिणी एवं पिता चन्द्रशेखर भौतिकशास्त्र एवं गणित के प्राध्यापक थे। घर पर एक समृद्ध लघु पुस्तकालय था तो तार वाद्ययंत्रों का संच भी। संगीत में रुचि के चलते वीणा वादन पिता जी की नित्य साधना थी। वीणा के तारों के कम्पन से निकली मधुर ध्वनि बालक रमन को अपनी ओर खींचती। वह सोचते कि इन तारों को छेड़ने से एक विशेष लय, प्रवाह, आरोह-अवरोह में मनमोहक ध्वनि कैसे उत्पन्न हो सकती है। यही जिज्ञासा बाद में उनके ध्वनि सम्बंधी शोधों का आधार भी बनी। चार वर्ष की उम्र में ही पिता का तबादला विशाखापट्टनम हो जाने से रमन की प्रारंभिक शिक्षा भी वहीं शुरू हुई। यहां घर के सामने लहराता सागर का नीला जल रमन का ध्यान आकर्षित करता। बालमन सोचता कि घर और सागर के जल में यह अन्तर कैसे। मकान की खिड़की से वह सागर की लहरों को अठखेलियां करते देखते रहते मानो जल के नीलेपन के रहस्य का कोई तोड़ खोज रहे हों। रमन ने मद्रास के प्रेसिडेंसी कॉलेज में 1903 में बी.ए. में प्रवेश लिया और विश्वविद्यालय में प्रथम श्रेणी में प्रथम आकर गौरव अर्जित किया। 1907 में एम.ए. गणित प्रथम श्रेणी में विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण किया। परास्नातक करते समय ही 1906 में 'प्रकाश विवर्तन' विषय पर शोध पत्र लिखा जो लंदन से प्रकाशित विश्व प्रसिद्ध पत्रिका 'फिलसोफिकल मैगजीन' में छपा। 1907 में ही आपने असिस्टेंट एकाउंटेंट जनरल के रूप में कलकत्ता में कार्यभार ग्रहण किया। पर रमन का मन तो विज्ञान की दुनिया में ही रमा था। फलतः एक दिन कार्यालय से घर आते समय 1876 में स्थापित 'इंडियन एसोसिएशन फार दि कल्टीवेशन ऑफ साइंस' की प्रयोगशाला में सुबह-शाम चार-चार घंटे 'ध्वनि में कम्पन एवं कार्य' के क्षेत्र में प्रयोग करने लगे। वह स्कूली बच्चों को प्रयोगशाला लाकर विज्ञान के विभिन्न प्रयोग करके दिखाते ताकि बच्चे विज्ञान की दुनिया को करीब से देख-परख सकें। कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति आशुतोष मुखर्जी के कहने पर 1917 में आपने नौकरी से त्यागपत्र देकर भौतिकी का प्राध्यापक बनना स्वीकार कर लिया। 1921 में ब्रिटेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के कांग्रेस में कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु ऑक्सफोर्ड जाना हुआ। लौटते समय भूमध्य सागर के जल का नीलापन देखकर आप आश्चर्यचकित रह गए। विचार किया कि समुद्र के जल में नीलापन किस कारण से है। उपकरण लेकर आप जहाज के डेक पर आ गये और घंटों सिन्धु जल का अवलोकन-निरीक्षण और प्रयोग करते रहे। इस दौरान पूर्व में विज्ञानवेत्ताओं द्वारा खोजे गये सिद्धांत और निष्कर्ष आंखों के सामने घूमते रहे कि जल का नीलापन समुद्र के अन्दर से प्रकट हो रहा है। पर आप उनसे सहमत नहीं हो पा रहे थे। तब रमन ने इस रहस्य की खोज करने का संकल्प लिया और भारत आकर आपने प्रयोगशाला में 1921 से 1927 तक शोध किया जिसकी परिणति 'रमन प्रभाव' के रूप में हुई। 'रमन प्रभाव' प्रकाश का विभिन्न माध्यमों से गुजरने पर उसमें होने वाले भिन्न-भिन्न प्रकीर्णन के कारणों का अध्ययन है। सात साल की साधना के फल 'रमन प्रभाव' पर आधारित शोध पत्र 'नेचर' पत्रिका में सर्वप्रथम छपा था। 1924 में आपको रॉयल सोसायटी ऑफ लंदन का फैलो बनाया गया। 1927 में जर्मनी ने जर्मन भाषा में भौतिकशास्त्र का बीस खंडों का एक विश्वकोश प्रकाशित किया। इसमें वाद्य यंत्रों से सम्बंधित आठवें खंड का लेखन रमन द्वारा किया गया। यह उल्लेखनीय है कि इस विश्वकोश को तैयार करने वाले आप एकमात्र गैर जर्मन व्यक्ति थे। उनके 2000 शोध पत्र विभिन्न अन्तरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए। 1948 में आपने सेवानिवृत्ति के बाद बेंगलुरु में 'रमन शोध संस्थान' की स्थापना की।

भारत सरकार ने 1954 में महान कर्मयोगी विज्ञानी रमन के योगदान और वैज्ञानिक उपलब्धियों का वंदन करते हुए 'भारत रत्न' पुरस्कार प्रदान किया। रूस ने 1957 में 'लेनिन शंन्ति पुरस्कार' भेंटकर सम्मानित किया। संचार मंत्रालय ने 20 पैसे का एक टिकट जारी कर आपकी स्मृति को अक्षुण्ण बना दिया। विश्व का यह महान भौतिकविद् 21 नवम्बर, 1970 को अपना लौकिक जीवन पूर्ण कर हमें अकेला छोड़ अंतिम यात्रा पर प्रस्थान कर गया। लेकिन जब तक दुनिया में भौतिकी का अध्ययन होता रहेगा तब तक 'रमन प्रभाव' अमर रहेगा और चन्द्रशेखर वेंकट रमन भी कोटि उरों में जीवित एवं श्रद्धास्पद बने रहेंगे।।

कविता
फिर भी आगे बढ़ते हैं हम

घटती-घटना

श्यामसुंदर साहू
राजिम,गरियाबंद
छत्तीसगढ़

कठिन है जीवन की राहें,
फिर भी चलते हैं हम।
गमों से भरा है यह जीवन,
फिर भी मुस्कुराते हैं हम।।
रुठने पर नही मनाता कोई,
खुद ही मान जाते हैं हम।
राह की ठोकरो से गिरकर,
खुद ही संभल जाते हैं हम।।
अंधेरों में कट रही है जीवन,
फिर भी उजाला ढूंढते हैं हम।
जीवन में हर बार मिली है हार,
फिर भी उम्मीद रखते हैं हम।।
राहों पर रुकावटें हैं हजार,
फिर भी नहीं रुकते हैं हम।
नहीं मिली है अभी सफलता
फिर भी हौसला रखते हैं हम।।
निराशा से घिरा यह जीवन,
फिर भी आशा ढूंढते हैं हम।
नहीं मिली है अभी मंजिल,
फिर भी आगे बढ़ते हैं हम।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

निर्वाचित मेयर के खिलाफ कांग्रेस ने खोला मोर्चा,की एफआईआर की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

अम्बिकापुर की नवनिर्वाचित महापौर मंजूषा भगत के द्वारा दिये गये नफरती बयान के विरोध में आज कांग्रेस के सैकडो कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में राजीव भवन से कोतवाली तक रैली निकाल एफ0आई0आर0 दर्ज करने के लिये आवेदन दिया है। मंजूषा भगत के द्वारा दिये गये नफरती बयान को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित थे। कांग्रेस इस बात से आक्रोशित है कि मंजूषा भगत ने न केवल पूर्ववर्ती आदिवासी महापौर और कांग्रेस के कार्यकाल को अशुद्ध कहा, साथ ही साथ उन्होंने मां महामाया कि नगरी अम्बिकापुर के भी अशुद्ध होने की बात कहकर पूरे अम्बिकापुर शहर और यहां के सम्मानित नागरिकों का अपमान किया है। कांग्रेस मंजूषा भगत का बयान सार्वजनिक होने के उपरांत ही कांग्रेस के द्वारा उनसे सार्वजनिक माफी की मांग की थी। ऐसा नहीं होने पर आज कांग्रेस ने रैली निकाल कोतवाली अम्बिकापुर को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिये आवेदन दिया है। कांग्रेस यह मानती है कि मंजूषा

भगत का बयान निगम में कांग्रेस के कार्यकाल और महापौर डॉ. अजय तिर्की के साथ ही भाजपा से महापौर रहे प्रबोध मिंज के प्रति अस्पृश्यता एवं धार्मिक भेदभाव की भावना से परिपूर्ण होकर एक नफरती बयान है। यह बयान कहीं न कहीं भाजपा की आदिवासियों के प्रति हीनभावना को प्रदर्शित करता है। यह बयान संविधान के अनुच्छेद 17 का उल्लंघन है जो जातिगत और धार्मिक अस्पृश्यता का निषेध करता है। एक जनप्रतिनिधी के लिये यह आचरण अशोभनीय है। थाना कोतवाली ने कांग्रेस के दिये आवेदन की पावती में लिखित में आश्वासन दिया है कि वो जांच उपरांत कारवाई करेगी। आवेदन के साथ कांग्रेस ने मंजूषा भगत के बयान का इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड भी दिया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा है कि नियत समय में अगर पुलिस कारवाई नहीं करती है तो हम न्यायालय में परिवार भी दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा है कि अपने बयान से मंजूषा भगत ने सनातन धर्म की परंपरा और पवित्र गंगाजल का भी अपमान किया है। सनातन परंपरा के अनुसार पवित्र गंगाजल सात्विक और धार्मिक उपयोग हेतु है। जैसे हाल ही में पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी0एस0 सिंहदेव ने शिवसागर बांध में छठ घाट के निर्माण के लिये कुंभ से लाये गंगाजल का उपयोग किया। यदि नवनिर्वाचित महापौर यह बोलती कि वे अम्बिकापुर की जनता की सेवा के लिये पवित्र गंगाजल से स्वयं भी शुद्ध होकर एवं कार्यक्षेत्र को शुद्ध कर काम प्रारंभ करेंगी, तो यह कतई आपत्तीजन नहीं होता। बल्कि हम सब पक्ष-विपक्ष की राजनिति से उपर उठकर इसका स्वागत करते। लेकिन जब वे यह बोलती हैं कि उन्होंने निगम आयुक्त को यह सख्त निर्देश दिया है कि पुराने कुर्सी-टेबल को हटयें और नयी व्यवस्था बनायें क्योंकि वे अम्बिकापुर में पहली हिंदु महापौर हैं, वो कार्यस्थल का गंगाजल से शुद्धीकरण करेंगी तब वे दुर्भावना से पवित्र गंगाजल के उपयोग की बात करती हैं जो कि पवित्र गंगा जल का भी अपमान है। औषधीय और पादप बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि मंजूषा भगत पूरे शहर को अशुद्ध बतला रही हैं जो कि महामाया की नगरी में रहने वाले उन सभी मतदाताओं का अपमान है, जिन्होंने उन्हें महापौर के रुप में चुना है। चाहे मंजूषा भगत हो या उनसे पूर्व के दोनो महापौर इन सभी को चुनते हुए शहर के नागरिकों ने उनका धर्म नहीं देखा था। शहर के नागरिक उनसे शहर के विकास का एजेंडा सुनना चाहते हैं न कि उनके द्वेषपूर्ण बयान।

मेरा उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं : मंजूषा

वहीं नव निर्वाचित महापौर मंजूषा भगत ने शनिवार को पुन- मीडिया में बयान दी है और उन्होंने कहा है कि मेरा उद्देश्य किसी भी जाति व धर्म को ठेस पहुंचाना नहीं है। हर जाति-धर्म में कोई भी शुभ कार्य करने से पूर्व पूजा अर्चना की जाती है। मुझे जनता ने जीताकर भेजा है। 2 फरवरी को शपथग्रहण के बाद पदभार ग्रहण करूंगी। मैं चाहती हूं कि अपने चेंबर में बैठने से पूर्व विधिवत पूजा अर्चना करूं। वहीं शपथग्रहण के बारे में कहा कि शपथग्रहण कराना जिला प्रशासन का काम है। सीएम की उपस्थिति में शपथग्रहण होगा। मैं चाहूंगी की सभी पार्षद शपथ लें। बिना शपथ के सभापति चुनने का भी उन्हें अधिकार नहीं रहेगा और न ही पूर्ण रूप से पार्षद कहलाएंगे।

2 मार्च को शपथ में शामिल नहीं होंगे कांग्रेस के पार्षद

नगर निगम में विपक्ष के नेता शफी अहमद ने कहा है कि 2 मार्च को नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षद एवं महापौर के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस और उसके पार्षद शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने अनुरोध किया था कि नवनिर्वाचित महापौर अपने द्वेषपूर्ण और नफरती बयान के लिये सार्वजनिक मांफी मांगे। लेकिन अभी तक उन्होंने ऐसा नहीं किया है, इसलिये शपथग्रहण समारोह में सहभागिता का प्रश्न ही नहीं उठता। उन्होंने कहा है कि वे कलेक्टर से यह मांग करेंगे कि कांग्रेस के नवनिर्वाचित पार्षदों के लिये वे पृथक से शपथ लेने की व्यवस्था करें। कांग्रेस के नवनिर्वाचित पार्षद शपथग्रहण समारोह से अलग कलेक्टर के कक्ष अथवा निगम परिसर में शपथ लेने के लिये तत्पर और तैयार हैं।

ईडी के कार्यवाही को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार का फूंका पुतला

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

शनिवार को जिला कांग्रेस के द्वारा सरकार के विरोध में पुतला दहन किया गया। कांग्रेस का आरोप है किन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा प्रदेश कांग्रेस को जारी समन के आधार पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बिन्दुवार जानकारी उपलब्ध कराने के बाद भी प्रदेश महामंत्री को जबरिया ईडी कार्यालय में घंटों बैठाया गया भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा कांग्रेस के लोगो को परेशान करने का काम किया जा रहा है इसके विरोध में

भारतीय जनता पार्टी की सरकार का पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय से अग्रसेन चौक तक पैदल मार्च करते हुए अग्रसेन चौक में पुतला दहन किया गया इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह,नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े,जिला कांग्रेस महामंत्री मनोज डालमिया,मनोज अग्रवाल,सुनील अग्रवाल,गैबीनाथ साहू,विष्णु कसेरा,प्रदीप साहू,एनएसयुआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू,नीरज तायल,शरद सिंह, अविनाश यादव, सूरज अवस्थी, दीपक कर, मधु साहू, अजय सोनवानी, लक्ष्मण राजवाड़े, जमील सिद्धिकी, चंदा सिंह, विजय ठाकुर, शिवम साहू, यश साहू, मो. दानिश,दीप सोनवानी, अमन रवि, देवती राजवाड़े, बिंदिया राजवाड़े, मुन्नी बाई, आकाश ठाकुर, राजेश सोनवानी, जितेन्द्र सोनवानी, प्रिंस, राजपाल कसेरा, राकेश सोनवानी, आशीष कुमार एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

नगर पंचायत भटगांव और बिश्रामपुर के नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर./बिश्रामपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत भटगांव और बिश्रामपुर के नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । नगर पंचायत बिश्रामपुर के शपथ ग्रहण समारोह में खेलकूद एवं युवा कल्याण राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा एवं नगर पंचायत भटगांव शपथ ग्रहण समारोह में महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय जन प्रतिनिधि व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। नगर पंचायत बिश्रामपुर में एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल एवं नगर पंचायत भटगांव में एसडीएम सागर सिंह द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पंद्रह वार्ड के नव निर्वाचित पार्षदों को क्रमवार एक-एक कर शपथ दिलाई गई। भटगांव कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नव निर्वाचितों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि यह टीम नगर पंचायत की तस्वीर बदलने में सक्षम साबित होगी और नगर पंचायत का सर्वांगीण विकास होगा। साथ ही बिश्रामपुर कार्यक्रम में मंत्री टंकराम वर्मा ने भी नवनिर्वाचित को बधाई दी और नगर के विकास को मूर्त रूप देने का आव्हान किया।

तीन भालुओं ने युवक पर किया हमला,जान बचाकर पहुंचा घर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

तीन भालुओं ने एक युवक पर हमला कर दिया। युवक ने संघर्ष कर किसी तरह अपनी जान बचाई। संघर्ष के दौरान भालुओं ने युवक के सिर व शहर के अन्य हिस्से को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया है। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार शिव ड्क्षसह पिता विहारी लाल उम्र 30 वर्ष उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चकेरी का रहने वाला है। वह शुक्रवार की शाम को घर से करीब दो किमी दूर खेत में गर्मी के मौसम का धान लगाने जा रहा था। खेत जंगल से लगे होने के कारण तीन भालू झाड़ी में

छुपकर बैठे थे। अचानक तीनों भालुओं ने शिव ड्क्षसह पर हमला कर दिया। शिव सिंह ने हिम्मत दिखाते हुए दो शावक भालुओं को अपने हाथ से पटक दिया। इससे दोनों शावक वहां से भाग गए। दोनों शावकों के भागने के बाद मादा भालू ने युवक पर हमला कर दिया। युवक अपनी जान बचाने के लिए लगभग 10 मिनट तक संघर्ष करता रहा। इसके बाद मादा भालू भी उसे छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। भालूओं के हमले में युवक के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों को नाखून से नोच कर जख्मी कर दिया है। भालुओं के हमले में बाद गंभीर रूप से जख्मी युवक किसी तरह हिम्मत कर पैदल ही घर पहुंचा और घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल ले गए। यहां चकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां उसका इलाजा चल रहा है।

ठेला दुकान में चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

रघुनाथपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ठेला दुकान में हुए चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार रवि कुमार सीताराम यादव के रोड़ किनारे स्थित ठेला दुकान है। 27 फरवरी की रात को ताला तोडक़र चोरों ने वारदात को अंजाम दिया था। रिपोर्ट पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। मामले में पुलिस ने आरोपी अजय मरकाम पिता नरेन्द्र बहादुर सिंह उम्र 19 वर्ष निवासी धनगढ़ थाना माड़ा जिला सिंगरौली, भास्कर सिंह पिता जतन राम पैंकरा 19 वर्ष निवासी भेण्डरी कंवरपारा चौकी डवरा थाना पस्ता जिला बलरामपुर व विवेक मिंज पिता अजीत मिंज उम्र 20 वर्ष निवासी गुजरवार स्कूलपारा थाना लुण्ड्रा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जंगली सुअर मारने के लिए बिछाया था तरंगित तार,चपेट में आने से ग्रामीण की हो गई थी मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम करम्हा में 3 फरवरी को एक ग्रामीण की लाश झाड़ी में मिली थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर जंगली सुअर मारने के लिए जाल बिछाया था और जाल के किनारे तरंगीत तार लगाया था। तरंगीत तार की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार शिवनारायण ग्राम करम्हा थाना दरिमा का रहने वाला था। वह 28 जनवरी की दोपहर अपने दो भैंस को अपने पहचान के व्यक्ति से बेचा था। जिसे कुछ दूरी तक छोडऩे के लिए निकला

था जो वापस नहीं लौटा था। 3 फरवरी को इसकी लाश घर से करीब 200 मीटर दूरी पर झाड़ी में मिली थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही थी। पीएम रिपोर्ट में बिजली करंट की चपेट में आने से मौत की पुष्टी हुई थी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने ग्राम पम्पापुर निवासी इंद्रकुमार मरकाम उम्र 45 वर्ष को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह पुलिस को बताया कि 28 फरवरी को अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर जंगली जानवरी फंसाने के लिए करम्हा जंगल में जाल बिछाया था। और जाल के किनारे 11 केवीए वोल्टेज खम्भा से अवैध हकिंग कर बिजली तार लगाया था। उसी की चपेट में आने से शिवनारायण की मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में गैर इरादतन हत्या धारा 105 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

दिलचस्प सेमीफाइनल के बाद चंदन नगर और हरिहरपुर भिड़ेंगे फाइनल में

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

पीसीबी ट्रॉफी अंतर्ग्रामीण फुटबॉल टूर्नामेंट में चौथे दिन के मुकाबले में शुक्रवार को सेमीफाइनल का मैच भी बेहद रोमांच से भरा था, जिसमें

संबलपुर, चंदन नगर, साल्ही और हरिहरपुर की टीमें आमने-सामने थीं। इस दौरान, काँटे की टक्कर के बाद चंदननगर और हरिहरपुर ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टूर्नामेंट में सभी प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और अंतिम दौर तक दर्शकों को को खेल से जोड़े रखा। अब टूर्नामेंट अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। और शनिवार शाम को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। शुक्रवार को पहले सेमीफाइनल में संबलपुर और चंदननगर के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, जिससे मैच टाई ब्रेकर तक गया। वहां, चंदननगर के खिलाडियों में संदीप कुमार चौहान, अंकुश कुमार मरकाम, योगेन्द्र सिंह उईके, राजेंद्र कुमार मरकाम, नागेश कुमार मरकाम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को 5-4 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में हरिहरपुर और साल्ही के बीच रोमांच चरम पर था। दोनों टीमों ने जोरदार प्रदर्शन किया, लेकिन निर्धारित समय में कोई भी बढ़त नहीं बना सका। नतीजतन, मुकाबला टाई ब्रेकर में पहुंचा, जहां हरिहरपुर ने 4-3 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में हरिहरपुर के गोलकीपर अजीत ने शानदार खेल दिखाया और कई महत्वपूर्ण बचाव कर टीम की जीत में अहम् भूमिका निभाई।

फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन मे शामिल हुए केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा व लक्ष्मी राजवाड़े

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

केबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के गृह ग्राम मे वीर शिवाजी क्लब वीरपुर के तत्वधान मे आयोजित अंतर राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह मे प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि तथा महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुई

आज का फइनल मुकाबला कनकपुर व कपसरा टीम के मध्य खेला गया जिसमे कपसरा की टीम दो एक से विजयी रही

आज का मुख्य आकर्षण का केंद्र गाँव मे पहली बार हेलीकाप्टर का उतरना जिसे देखने के लिए आस पास के ग्रामीण काफी संख्या मे एकत्रित हुए थे. इस मैच मे विदेशी खिलाडियों ने भी अपना जौहर दिखाया विशेष रूप सूडान व नाइजीरिया के खिलाड़ी भिलाई के टीम से खेले मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने उदबोधन मे खेल के साथ शिक्षा, संस्कार व अनुसासन को महत्वपूर्ण बताया तथा खेल स्टेडियम व फुटबाल एकेडमी खोलने की मांग खेल मंत्री से की टंकराम वर्मा खेल मंत्री जी ने अपने सम्बोधन मे कहाँ की आप लोगो का अतिथि सत्कार स्नेह व प्रेम से अपने आपको गौरवांतित महसूस कर रहा हूँ तथा मंत्री लक्ष्मी मांग पर मिनी स्टेडियम की घोसणा किये व खेल एकेडमी खोलने की बात कही खेल का आनन्द लेने हजारों के संख्या मे लोग एकत्रित हुए थे. कार्यक्रम को सफल बनाने मे ठाकुर प्रसाद राजवाड़े सरपंच प्रतिनिधि चंद्र भान सिंह भुनेश्वर राजवाड़े कँवल सांय सिंह अजय सिंह मनीष रोहित चन्द्रदेव डूलेश्वर बोधन रोकी जय प्रताप नारायान राजू राजवाड़े ओमी राजवाड़े तीरथ राजवाड़े सक्रिय रहे मंच का संचालन ठाकुर राजवाड़े कँवल सांय ने किया.

इंसानी दिमाग बन गया कांच का टुकड़ा,2000 साल पुरानी इस अनोखी घटना का वैज्ञानिकों ने खोला राज

हर्कुलैनियम, 01 मार्च 2025। लगभग 2000 साल पहले इटली के माउंट वेसुवियस ने अपनी भयंकर ज्वाला से रोम के निकट स्थित हर्कुलैनियम शहर को तबाह कर दिया था। इस हादसे में हजारों लोग मारे गए। तब एक युवक की जान भी चली गई थी। लेकिन, अब वैज्ञानिकों ने हैरान करने वाला खुलासा किया है कि उस घटना में मारे गए युवक का मस्तिष्क कांच में बदल गया था। चार साल से अधिक चली इस खोज के बाद वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है कि आखिर ऐसा कैसे संभव हुआ?

वैज्ञानिकों ने 2020 में खोज के दौरान उस युवक के अवशेष बरामद किए। जब शोधकर्ताओं ने कांच जैसी सामग्री को युवक के कंकाल में पाया तो वे हैरान हो गए कि किसी इंसान का मस्तिष्क कांच में कैसे बदल सकता है? वैज्ञानिकों को पहले यह समझ में नहीं आ रहा था कि यह कांच कैसे बना। अब, शोधकर्ताओं का मानना है कि जब एक गरम राख का बादल करीब 510°C तक गर्म हुआ, तो उस युवक का मस्तिष्क इस तापमान तक पहुंचने के बाद तेजी से ठंडा होकर कांच में बदल गया। यह घटना मानव शरीर के ऊतकों के कांच में बदलने का अब तक का इकलौता उदाहरण है।

यह खोज कैसे हुई?

इस युवक की हर्कुलैनियम शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित एक इमारत में अपने बिस्तर पर ही मौत हो गई थी। वैज्ञानिकों ने उसकी खोपड़ी और रीढ़ की हड्डी में 1 से 2 सेंटीमीटर आकार के काले कांच के टुकड़े पाए। वैज्ञानिकों के अनुसार, मस्तिष्क के कांच में बदलने की प्रक्रिया

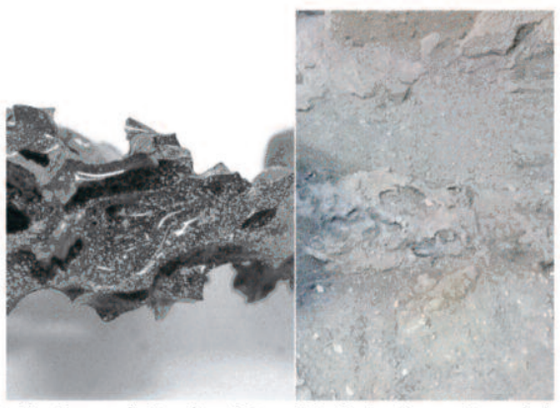

के लिए बेहद विशिष्ट परिस्थितियां चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि पदार्थ और उसके आस-पास के वातावरण के बीच तापमान में अत्यधिक अंतर हो। साथ ही, ठंडा होने पर पदार्थ को क्रिस्टलाइज होने से बचाना होता है। इस प्रक्रिया को विट्रीफिकेशन कहते हैं, जिसमें किसी पदार्थ को कांच में बदलने के लिए उसे बेहद उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, फिर उसे तेजी से ठंडा किया जाता है।

दिमाग कैसे बन गया कांच का टुकड़ा

वैज्ञानिकों ने एक्स-रे और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के जरिए यह निष्कर्ष निकाला कि युवक के मस्तिष्क को कम से कम 510°C तक गर्म किया गया था, जिसके बाद यह तेजी से ठंडा होकर कांच में बदल गया। हालांकि, अन्य अंग जैसे हड्डियां या नरम ऊतक इस प्रक्रिया से प्रभावित नहीं हुए, क्योंकि उनमें पानी की अधिकता नहीं थी, जो कांच बनने के लिए जरूरी होती है।

2000 साल पुरानी वो घटना

वेसुवियस के विस्फोट ने इटली के हर्कुलैनियम और पास के पम्पेई शहर को पूरी तरह नष्ट कर दिया था। इन शहरों में तकरीबन 20,000 लोग रहते थे। अब तक 1500 से ज्यादा शवों के अवशेष पाए जा चुके हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि सबसे पहले एक गरम राख का बादल नीचे गिरा, जो अधिकांश मौतों का कारण बना, फिर एक तेज गति से फैलने वाली गर्म गैसों और ज्वालामुखी ने क्षेत्र को पूरी तरह ढक लिया।

सीमांकन करने गई टीम पर हमला RI पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश..

- राजस्व विभाग की टीम पर गाड़ी चढ़ाने का मामला सामने आया है...
- पुलिस की मौजूदगी में एक बड़ी अनहोनी होते -होते टल गई...
- इधर राजस्व अमले ने एसडीएम को इस संबंध में प्रतिवेदन सौंप दिया है...

- संवाददाता -
बलरामपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

जिले के राजपुर में जमीन सीमांकन करने गई राजस्व विभाग की टीम पर गाड़ी चढ़ाने का मामला सामने आया है वही पुलिस की मौजूदगी में एक बड़ी अनहोनी होते -होते टल गई। इधर राजस्व अमले ने एसडीएम को इस संबंध में प्रतिवेदन सौंप दिया है जिसके बाद मामले की अग्रिम कार्यवाही जारी है।

बता दे की न्यायालय तहसीलदार से मिले आदेश के बाद तीन राजस्व निरीक्षकों के नेतृत्व में टीम नगर पंचायत राजपुर के वार्ड क्रमांक 3 में स्थित खसरा नंबर 3/1, 3/2, 3/3, 3/50 क्रमशः 6.484, वर्षीय युवती 3.015, 4.836, 1.376 हेक्टेयर भूमि का सीमांकन करने पहुंची थी। इस दौरान मौके पर आवेदक व रमाशंकर पैंकरा पिता हरिचरण ,गोवर्धन पिता रमाशंकर पैंकरा, सको पति रमाशंकर, शोभरण पिता रमाशंकर सहित अन्य लोग मौजूद थे। इसी बीच सीमांकन कार्य को प्रभावित कर गोवर्धन पैंकरा व शोभरण के द्वारा राजस्व टीम पर हमला करने के उद्देश्य से मोटर सायकल चढ़ाने का प्रयास किया गया। जिससे राजस्व टीम के सदस्यों को चोटें आयी है। वही मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को भांपते हुए। गोवर्धन और शोभरण को हिरासत में लिया है।

इधर राजस्व टीम सीमांकन का कार्य छोड़कर वापस लौट गई है और एसडीएम को घटना के संबंध में प्रतिवेदन सौंप दिया है।

ट्रंप और जेलेंस्की की नोकझोंक पर आई एलन मस्क की प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन,01 मार्च 2025। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच 'ओवल ऑफिस में हुई तीखी बहस पर अरबपति एलन मस्क की प्रतिक्रिया आई है। एलन मस्क ने ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात से जुड़ा एक वीडियो एक्स पर शेयर किया है। जिसमें ट्रंप जेलेंस्की को जमकर सुनाते हुए नजर आ रहे हैं। ये वीडियो शेयर करते हुए मस्क ने ट्रंप को टैग किया और लिखा आप कमांडर-इन-चीफ है। दरअसल शुक्रवार को ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उनपर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया था और कहा था कि उनकी कार्रवाई से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता था। इस दौरान जेलेंस्की ने अपना पूरा पक्ष रखा और अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना व्हाइट हाउस से निकले गए।

व्हाइट हाउस से जाने के कुछ ही मिनट बाद,

जेलेंस्की ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद. अमेरिकी राष्ट्रपति, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों का धन्यवाद. यूक्रेन को न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता है, और हम बस उसी के लिए काम कर रहे हैं।

इस पूरे मामले में यूक्रेन के यूरोपीय साझेदारों और दुनिया के अलग-अलग देशों के नेताओं ने जेलेंस्की का समर्थन किया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयेन ने 'एक्स पर लिखा, आपने जो गरिमा दिखाई, उसने यूक्रेन के लोगों की बहादुरी को दर्शाया है. मजबूत, बहादुर और निडर बने रहें, प्रिय वोलोदिमीर जेलेंस्की। हम न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए आपके साथ काम करते रहेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'एक्स पर लिखा, ''एक हमलावर है रूस। एक पीड़ित है यूक्रेन। हमारा तीन साल पहले यूक्रेन की मदद करना और रूस पर प्रतिबंध लगाना सही था - और ऐसा करते रहना सही भी है. मैक्रों ने कहा, हमारे से मेरा तात्पर्य अमेरिकी, यूरोपीय, कनाडाई, जापानी और कई अन्य से है।

जर्मनी के अगले संभावित चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने 'एक्स पर लिखा, प्रिय वोलोदिमीर जेलेंस्की, हम अच्छे और मुश्किल समय में यूक्रेन के साथ खड़े हैं। हमें इस भयानक युद्ध में कभी हमलावर और पीड़ित को लेकर भ्रमित नहीं होना चाहिए।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों से संबंधित विज्ञान सप्ताह 2025 आयोजित

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज, अम्बिकापुर द्वारा गठित साइंस एसोसिएशन व आंतरिक गुणवत्ता आश्वाशन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 के अवसर पर 24 फरवरी से 28 फरवरी को विज्ञान सप्ताह2025 का आयोजन महाविद्यालय के कॉन्फ्रेंस कक्ष में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सि. शांता जोसेफ ने किया। अपने संबोधन के दौरान प्राचार्य द्वारा विज्ञान व नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए छात्राओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने वैज्ञानिक सोंच व विज्ञान की लोकप्रियता बढ़ाने की चर्चा की। दिनांक 24 फरवरी को कार्यक्रम का आगाज सर चंद्रशेखर वेंकट रमन को श्रद्धा सुमन देकर उन्हें नमन कर किया गया। तत्पश्चात शिक्षक आलोक चक्रवर्ती द्वारा रमन प्रभाव को निरूपित किया गया तथा महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा गणित पर चर्चा विषय के अंतर्गत तत्कालिन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । विज्ञान विज्ञान साप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 25 फरवरी को महाविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा फेम ऑफ वीमेंस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर कार्यक्रम तथा दिनांक 27 फरवरी को रसायन विभाग द्वारा शॉप मेकिंग विषय पर कार्यशाला व स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निवारण करके बेहतर जीवन शैली पर विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। दिनांक 28 फरवरी को महाविद्यालय द्वारा गठित साइंस एसोशिएशन द्वारा विज्ञान व नवाचार ÷एक विश्लेषण विषय के अन्तर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शिक्षक डॉ.सीमा मिश्रा,इशिता तिवारी व प्रीति सिंह ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया।कार्यक्रम के समापन के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. सि.शांता जोसेफ से सफल विज्ञान सप्ताह के कार्यक्रम को महाविद्यालय में संचालित करने के लिए सभी को अपनी बधाई व अभिनंदन प्रेषित की। संचालित सम्पूर्ण विज्ञान सप्ताह के कार्यक्रम रिपोर्ट को शिक्षक जगनरायण सिरदार ने प्रस्तुत किया । मंच का संचालन शिक्षक डॉ. प्रमोद यादव, निकिता दास, आंकाक्षा रानी निकुंज, पारुल सिंह,गरिमा सिंह व आभार प्रदर्शित अवधेश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिक्षक डॉ. उषा शुक्ला, डॉ. सि. दिव्या गुलाब मिंज सहित महाविद्यालय के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्राएँ मौजूद रहे।

अवैध ईंट भट्टों का काला खेल,जंगल उजाड़ कर पकाई जा रही ईंटें,नियमों की अनदेखी से पर्यावरण हो रहा प्रदूषित,वन विभाग ने मारा छापा

- संवाददाता -
बलरामपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में अवैध ईंट निर्माण का धंधा बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है। ग्रामीण इलाकों में ईंट पकाने के लिए जंगल की लकड़ी का बड़े स्तर पर उपयोग किया जा रहा है, जिससे वन संपदा को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

ताजा मामला बलरामपुर वन परिक्षेत्र का है, जहां ग्रामीणों द्वारा जंगल के हरे-भरे पेड़ों की कटाई कर ईंट भट्टों में लकड़ी का इस्तेमाल किया जा रहा था। इस गोरखधंधे की जानकारी स्थानीय लोगों ने वन विभाग को दी, जिसके बाद विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की।जांच के दौरान टीम ने बड़ी संख्या में कटे हुए पेड़ और ईंट पकाने के लिए तैयार की गई लकड़ी बरामद की। वन विभाग ने इस अवैध कटाई को लेकर कार्रवाई करते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया ।

दरअसल बलरामपुर जिले में अवैध ईट भट्टों का संचालन धड़ल्ले से चल रहा है।जिला प्रशासन और खनिज विभाग के नाक के नीचे से अवैध ईंट भट्टों का संचालन बगैर दस्तावेज और लाइसेंस के किया जा रहा है। जिससे शासन को प्रतिवर्ष लाखों का राजस्व का नुकसान हो रहा है। पर्यावरण विभाग के अनुमति के बिना ईट भट्टे संचालित हो रहे है जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है इस ओर विभाग की नजर नहीं पड़ रही है नजर पड़ भी रही है तो अनदेखी कर दिया जाता है। विभागीय कार्यवाही नहीं होने से संचालकों के हौसले बुलंद है।

गौरतलब है कि जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में सैकड़ों ईंट भट्टे संचालित है जिनमें कुछ ही ईंट भट्टे है जिनके संचालकों के पास विभागीय अनुमति और वैध दस्तावेज हैं। फिर भी अवैध ईंट भट्टों का कारोबार जोरों पर है। ईंट भट्ठा संचालक शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। शासन के निर्देशानुसार ईंट भट्ठा लगाने के लिए शासन की अनुमति आवश्यक है लेकिन बगैर अनुमति बेधड़क नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लाल ईंटों की मांग लगातार बढ़ने से प्रतिवर्ष ईंट भट्ठा संचालकों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे ईंट भट्ठों को बंद कराने में खनिज व राजस्व विभाग के अधिकारी अक्षम साबित हो रहे हैं। कार्यवाही के नाम पर अधिकारी छोटी कार्यवाही कर खाना पूर्ति कर देते है मगर बड़े पैमाने पर ईंटों का कारोबार करने वालों पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

शासन के गाइडलाइंस की उड़ाई जा रही धज्जियां, संचालक नियमों को रखते हैं हाशिए पर

ईंट भट्टे के संचालन के लिए पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण विभाग के द्वारा एन.ओ. सी. की आवश्यकता होती है। बगैर एन.ओ.सी. ईंट भट्ठों का संचालन कर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के अनुसार ईंट भट्ठे में हवा का बहाव बेहतर बनाने के लिए जिगजैग तकनीक और वर्टिकल सॉफ्ट तकनीक का इस्तेमाल किया जाना है।ईंट भट्टे में ईंट बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली मिट्टी को निकालने के लिए संबंधित राज्य या संघ के खनन विभाग सहित संबंधित प्राधिकरणों से सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किया जाना है। ईंट भट्टे केवल अनुमोदित ईंधन जैसे पाइप्ड पप्राकृतिक गैस कोयला, ईंधन लकडी या किसी अपशिष्टों का उपयोग किया जाना है।

अवैध कोयला और जंगल के पेड़ों की कटाई कर लकड़ी का करते है उपयोग

ईंट भट्ठों में ईंटों को पकाने के लिए उचित ग्रेड का कोयला इस्तेमाल करना होता है।बलरामपुर जिले में बड़े पैमाने पर राजस्व व वन भूमि पर अवैध तरीके से हर साल करोड़ो रुपए का कोयले का अवैध खनन किया जाता है और उसे आसपास के ईंट भट्ठों में खपाया जाता है। राजपुर,सेवारी, दुप्पी, चौरा, रेवतपुर, धंधापुर, खोखनिया सहित जिले के विभिन्न चिमनी ईंट भट्ठों में भी पहुँचाया जाता है। जंगल के पेड़ों की कटाई कर लकड़ियों का इस्तेमाल ईंट पकाने में किया जाता है।

संचालक कई तरीकों से रॉयल्टी में भी चोरी करते है सरकार को प्रति वर्ष लाखों की क्षति हो रही है।आखिर किसकी मेहरबानी और किसके संरक्षण में इतनी अनियमितताओं और नियमों को ताक पर रखने के बाद भी प्रशासनिक अमला इन पर प्रशासनिक लगाम लगाने में नाकाम रहती है।

ट्रैफिक सुरक्षा और साइबर जागरूकता को लेकर सरगुजा पुलिस,सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं स्कूल प्रशासन का संयुक्त अभियान,विभिन्न तरीको से किये जायेंगे जागरूकता के प्रयास

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

सड़क सुरक्षा और साइबर जागरूकता को लेकर पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री योगेश पटेल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे गत दिवस पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर मे बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूलों के प्राचार्य, जन सम्पर्क के कार्य से जुड़े हुए अधिकारी/कर्मचारी , सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और सरगुजा पुलिस के अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, साइबर अपराधों को रोकना और सोशल मीडिया पर जिम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना था।

बैठक का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, नगर पुलिस अधीक्षक श्री रोहित शाह और रक्षित निरीक्षक त्रिप्ती सिंह राजपूत ने किया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों ने अपने उदबोधन मे कहा कि ÷समाज में सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पुलिस और

नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। ट्रैफिक नियमों का पालन और साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।÷ नगर पुलिस अधीक्षक श्री रोहित शाह ने अभियान को निरंतर जारी रखने की बात कही साथ ही नियमित रूप से अभियान की समीक्षा कर लगातार जागरूकता उत्पन्न करने के प्रयास जारी रखने की बात कही गई, बैठक मे ट्रैफिक नियमों के पालन और साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, बैठक के दौरान संयुक्त रूप से सहमति प्रदान करते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए गये। बैठक मे शामिल स्कूलों के जनसम्पर्क कार्य से जुड़े हुए अधिकारी/कर्मचारी अपने स्कूलों मे छात्रों कों नियमित रूप से ट्रैफिक नियमों और साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान करेंगे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे जनहितकारी कार्यों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने में सहयोग करेंगे। व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ट्रैफिक नियमों, साइबर जागरूकता और महिला सुरक्षा से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से साझा की जाएगी।

स्कूल प्रशासन और पुलिस विभाग मिलकर ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को रोकने और अवैध सोशल मीडिया सामग्री की रिपोर्टिंग के लिए कार्य करेंगे।कार्यक्रम में पुलिस मित्र टीम के सदस्य अतुल गुप्ता, विक्की गुप्ता, श्रुति तिवारी और बसंत श्रीवास्तव ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने युवाओं को सुरक्षा और जागरूकता के प्रति प्रेरित करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की।

CMYK

जनपद व जिला पंचायत के वार्षिक बजट से ज्यादा प्रत्याशियों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में मत देने लुभाने खर्च किया पैसा ?

जनपद का वार्षिक बजट 4 से 5 करोड़ जिला पंचायत का वार्षिक बजट 10 करोड़ लेकिन इस बार हुए चुनाव में सभी प्रत्याशियों द्वारा किया गया खर्च वार्षिक बजट से अधिक माना जा रहा है

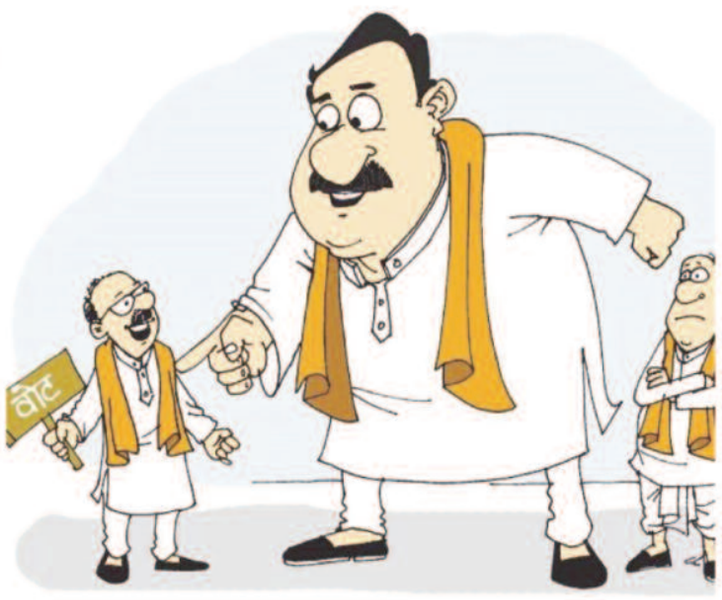

- रवि सिंह -
कोरिया,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न हो गया है लेकिन यह चुनाव जितने के लिए सैकड़ो प्रत्याशियों ने चाहे वह जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हो या फिर जनपद पंचायत सदस्य का चुनाव दोनों ही तरह का सदस्य बनने के लिए पैसे खर्च किए गए कहा जाए तो मतदाताओं को पैसे से खरीदा गया, अब खरीदने के बाद अब यदि हम आकलन करें जनपद पंचायत के वार्षिक बजट का तो वह बजट 4 से 5 करोड़ का होता है वहीं जिला पंचायत की बात की जाए तो वार्षिक बजट 10 से 11 करोड़ का होता है साथ ही सदस्यों सहित अध्यक्ष उपाध्यक्ष की निधि को लें लें तो 30 लाख और बढ़ जाते हैं पर इस चुनाव में इस वार्षिक बजट की राशि से ज्यादा प्रत्याशियों ने चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को रिझाने के लिए मतदाताओं का मत खरीदने के लिए जनपद में तकरीबन 6 से 7 करोड़ खर्च किए हैं, सभी प्रत्याशियों ने तो वहीं जिला पंचायत की बात की जाए तो वहां भी लगभग 8 से 9 करोड़ खर्च चुनावी माना जा रहा है, पर इसी बीच यदि पंच व सरपंच पद के भी प्रत्याशियों का भी खर्च जोड़ दिया जाए तो पूरे जिले में चुनावी खर्च 20 करोड़ होने का अनुमान है, यह आंकड़े भले ही कम ज्यादा हो सकते हैं पर जो चुनाव से लेकर चुनाव खत्म होने के बाद प्रत्याशियों की जुबानी ही खर्च की बात कही जा रही है उसे देखते हुए चुनावी खर्च के आंकड़े का अनुमान लगाया गया है, पर सवाल यह उठता है कि जब इतनी राशि खर्च कर लोग निर्वाचित हुए हैं तो फिर इसकी भरपाई वह क्या जनपद व जिला पंचायत के बजट से होने वाले विकास को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाकर करेंगे? जनता ने एक बार फिर नोटों के प्रमोभन में आकर अपना मत बेच दिया है यह कहना गलत नहीं होगा।

- जनपद सदस्य प्रत्याशीयों ने जनपद सदस्य बनने के लिए इस चुनाव में 6 करोड़ से अधिक रकम खर्च की
- जिला पंचायत प्रत्याशी भी नहीं रहे पीछे उन्होंने भी निर्वाचित होने के लिए लगभग 10 करोड़ किया खर्च
- जिला पंचायत के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष से लेकर जनपद पंचायत के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बनने तक एक करोड़ और खर्च होने का अनुमान
- त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में चुनावी खर्च का यदि आकलन लगाया जाए तो विधानसभा व लोकसभा चुनाव से भी अधिक माना जा रहा है खर्च

जनपद सदस्य बनने करोड़ों खर्च किया एक जनपद अंतर्गत आने वाले जनपद क्षेत्र के प्रत्याशियों ने- बैकुंठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ही यदि प्रत्याशियों के चुनावी खर्च की बात की जाए तो यह कई करोड़ो का खर्च माना जा रहा है। कई जनपद क्षेत्रों में तो खर्च विधानसभा लोकसभा चुनाव के हिसाब से तुलनात्मक ज्यादा है।

अध्यक्ष,उपाध्यक्ष पद के लिए भी करोड़ों खर्च की तैयारी

जनपद उपाध्यक्ष बनने के लिए भी अब करोड़ों की तैयारी है। जनपद सदस्य से अध्यक्ष,उपाध्यक्ष बनने के लिए करोड़ों सभी कोई खर्च नहीं करेंगे वह केवल कुछ लोग ही करेंगे लेकिन वही चंद लोग खर्च की सीमा को करोड़ों तक ले जाएंगे। अब लाखों फिर करोड़ों खर्च करने वाला जब अध्यक्ष सहित उपाध्यक्ष बनेगा कैसा विकास होगा क्षेत्र का यह विचारणीय है और समझा भी जा सकता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष के लिए भी करोड़ों खर्च का अनुमान

जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनने के लिए भी करोड़ों खर्च करने वाला ही योग्यता के पैमाने पर सही उतरेगा। अब खर्च करने वाला कैसे विकास की परिकल्पना साकार करेगा यह सोचने वाली बात है। वैसे यह आज की और इसी चुनाव की बात नही है, हर बार यही होता है और अंततः खर्च करने वाला मतदाताओं से लेकर निर्वाचित सदस्यों तक को खरीदने का माद्दा रखने वाला ही अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनता है।

प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना में क्यों कर रही है भेदभाव ?

क्या मुख्यमंत्री कम बजट वाली आधे अधूरे बने मुख्यमंत्री आवास योजना को साय सरकार पैसा रोककर कराना चाहते हैं खंडहरों में तब्दील ?

- क्या त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जीत हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री जन मन आवास योजना दी गई प्राथमिकता?
- इन मुद्दों को लेकर विपक्षी कांग्रेस नेताओं के द्वारा ग्रामीण जनता के हित के लिए सड़क से सदन तक क्यों नहीं उठाया मुद्दा?
- मुख्यमंत्री आवास निर्माण में लगने वाले सामग्री का रेट बढ़ने से ग्रामीण हितग्राही चिंतित....

- सुदामा राजवाड़े -
राजपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)। विदित हो की पूर्व की कांग्रेस सरकार के द्वारा चुनाव पूर्व प्रदेश भर में आर्थिक जनगणना करवा कर आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों के लिए प्रदेश भर में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना का घोषणा कर पात्र ग्रामीण हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के लिए योजना चालू किया गया था लेकिन प्रदेश में सरकार बदलने के 1 वर्ष से अधिक बीत जाने के बावजूद आज दिनांक तक कई जगह अधूरा निर्माण के वजह से खंडहरों में तब्दील होने के लिए अग्रसर देखे जा रहे हैं।

ऐसा ही मामला बलरामपुर जिले के राजपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के पंचायत में देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष जनजाति के आवास हितग्राहियों को 250000 रुपए आंबटित कर सरकारी नुमाइंदों के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पूर्व युद्ध स्तर पर कार्य कराया गया लेकिन साय सरकार के द्वारा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के द्वारा 130000 रुपए की धनराशि वाली मुख्यमंत्री आवास योजना की आवास रिपोर्टिंग के दौरान कुछ ग्राम पंचायत में आधी अधूरी निर्माण नजर आ रही है। आधे अधूरे आवास हितग्राहियों से नहीं बनने का कारण पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया 1 बरस से अधिक बीत गया है इसके बावजूद सरकार क्यों नहीं बनवाने के लिए राशि जारी कर रही है यह तो सरकार ही बताएगी यह मुख्यमंत्री आवास कब पूरे होंगे। उक्त हितग्राहियों के मायूस भरी बातों से जाहिर होता है कि मुख्यमंत्री आवास एक सपना बनकर रह ना जाए। ग्रामीणों का मानना भी सच साबित होता है क्योंकि एक ओर साय सरकार पिछड़ी जनजातियो के लिए जनमन आवास योजना निर्माण करना इनके लिए सबसे महत्वपूर्ण था। क्योंकि सामने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में वोट हासिल कर चुनावी बैतरणी पार जो था द्य लेकिन सवाल उठना लाजमी होता है। जो सरकार ग्रामीण हितेषी बनकर आवास मुद्दे को लेकर हो हल्ला मचा कर सत्ता प्राप्ति की द्य आज वही पार्टी सत्ता प्राप्ति कर मुख्यमंत्री आवास पर ध्यान नहीं दे रही है।

चुनाव हारने के बाद विपक्ष की कांग्रेसी भी अपना हौसला खो चुके हैं । बहरहाल अब देखना यह है कि उक्त हितग्राहियों का आवास बारिश पूर्ण से पहले पूर्ण हो जाएगा या मुख्यमंत्री वह आवास जो अर्धनिर्माणधीन हैं वह कहीं खंडहरों में तब्दील न हो जाए। क्योंकि हीतग्राहियों को जब यह राशि दी गई थी तब से एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है और 1 वर्ष पूर्व आवास निर्माण में लगने वाले मटेरियल सीमेंट ईंट रेत वगैरह का दाम वर्तमान में बढ़ चुका है तब क्या आवास खंडहर नूमा होने से हितग्राही कसूरवार होगा या सरकारी नीति?

बलरामपुर में 8.87 करोड़ के गबन का खुलासाः जल संसाधन विभाग के घोटाले में फरार आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
बलरामपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

जल संसाधन विभाग में 8 करोड़ 87 लाख 54 हजार 524 रुपये के गबन के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी योगेश्वर स्वरुप भटनागर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कई वर्षों से फरार था और पुलिस को चकमा दे रहा था, लेकिन रामानुजगंज पुलिस की सतर्कता से आखिरकार वह गिरफ्त में आ गया।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए करोड़ों का गबन

मुख्य आरोपी ।संजय कुमार ग्रायकर (तत्कालीन एसडीओ, जल संसाधन विभाग), वरिष्ठ लेखा लिपिक मिथिलेश कुमार पांडेय, डाटा एंट्री ऑपरेटर संजीव कुमार सिंह, और संभागीय अधिकारी नीरज अभिषेक एक्का ने मार्च 2022 से मई 2022 के बीच सरकारी राशि को फर्जी दस्तावेजों के जरिए निजी खातों में ट्रांसफर कर दिया था। इस घोटाले में आरोपी योगेश्वर स्वरुप भटनागर ने भी अपने खाते में 1.56 करोड़ रुपये प्राप्त किए थे।

पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी, और अनुविभागीय अधिकारी याकूब मेमन के नेतृत्व में इस गबन की गहराई से जांच की गई। विभिन्न दस्तावेजों और फर्मों की पड़ताल के बाद पुलिस ने आरोपी योगेश्वर स्वरुप भटनागर की लोकेशन ट्रैक की। अंबिकापुर में छिपे आरोपी की सूचना मिलते ही पुलिस ने उसे धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें उसने गबन में शामिल होने की बात स्वीकार कर ली। पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर योगेश्वर स्वरुप भटनागर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को हराने वाले गैर पार्टी समर्थित सदस्य देवतुल्य हो गए हारे हुए समर्थित प्रत्याशी असुर लगने लगे ?

सौभाग्यवती वर्तमान विधायक की करीबी व भाजपा की एक बेहतरीन महिला नेत्री

भाजपा समर्थन प्रत्याशी को हराकर जिला पंचायत सदस्य बनने वाली नेत्री का भाजपा में जोरदार स्वागत

- क्या गैर पार्टी समर्थित निर्वाचित सदस्यों के दम पर भाजपा अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनाने का भर रही है दम?
- क्या भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को हराने वाला भाजपा के लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी के समान?
- हारे हुए भाजपा समर्थित प्रत्याशी कोस रहे हैं भाजपाइयों को, और हराने वाले गैर पार्टी समर्थित जीतकर आए सदस्य भाजपा को भा रहे हैं ज्यादा?
- भाजपा में शुरू होगी अंदरूनी कलह,अध्यक्ष पद की दावेदारी को लेकर अभी से ही शुरू हो गई है जोड़ तोड़...
- मोहित बनाम जिलाध्यक्ष... सौभाग्यवती बनाम विधायक...क्या यही है जिला पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशियों को लेकर सरगर्मी?
- मोहित भाजपा के नए सिपाही तो वहीं सौभाग्यवती भाजपा की पुरानी सिपाही दोनों में से किस पर भाजपा जताएगी सहमति व एकजुटता?
- यदि नए को मिला मौका तो पुरानी कर्मठ कार्यकर्ता आ सकते हैं बगावत में,सूत्र
- क्या अभी भी भाजपा से छीना जा सकता है जिला पंचायत अध्यक्ष का ताज क्या ऐसा कोई संयोग होगा या है उम्मीद?

भाजपा समर्थित प्रत्याशी को हराकर आने वाले निर्दलीय भाजपा समर्थक का स्वागत करते जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी

भाजपा से जिला पंचायत अध्यक्ष की प्रथम दावेदार सौभाग्यवती सिंह कुसरो

भाजपा से जिला पंचायत अध्यक्ष के दूसरे दावेदार मोहित पैकरा

भाजपा समर्थ प्रत्याशी हारने के बाद अपने पार्टी के लिए क्या लिखा यह देखिए

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न हो चुका है अब जोर आजमाइश जिला पंचायत व जनपद पंचायत में अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनाने को लेकर चल रही है, भाजपा जिला पंचायत में तो अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाने की तरफ आगे बढ़ रही है ऐसा उसका दवा भी है क्योंकि उनके पास भाजपा के पांच समर्थित चुनाव जीतकर आए सदस्य हैं पर वही दो गैर पार्टी समर्थित जीतकर आए सदस्य भी भाजपा के पास जा रहे हैं, जो लगातार सोशल मीडिया में फोटो वायरल से लेकर तमाम खबरों के माध्यम से जाना जा रहा है पर यदि देखा जाए तो भाजपा का कद भी कहीं न कहीं घटा है, क्योंकि भाजपा गैर पार्टी समर्थित जीतकर आए सदस्यों का स्वागत कर रही है जो भाजपा के प्रत्याशियों को पटकनी देकर जीतकर आए हैं, मतलब कि अपने ही पार्टी के समर्थित प्रत्याशी को पटकनी देने वाले का स्वागत भाजपा जोर-जोर से कर रही है, अब यह भाजपा का स्वार्थ है या फिर जिला पंचायत में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बनाने की एक रणनीति है? वहीं क्या यह पूर्व नियोजित कोई एक प्लान बी है जिसपर भाजपा काम कर रही थी? वह तो भाजपा जाने पर वही पार्टी समर्थित हारे हुए प्रत्याशी इस घटनाक्रम से दुखी हैं और अपनी व्यथा भी सोशल मीडिया पर बताने लगे हैं और बताना भी चाहिए क्योंकि उनका मनोबल कहीं ना कहीं भाजपा ने गैर पार्टी समर्थित से जीतकर आए सदस्यों को तत्काल अपने पार्टी में शामिल कर लिया है और अपनी पीठ थपथपा रहे हैं भाजपा के बड़े नेता, तो वहीं इस वजह से भाजपा के अंदरखाने में आलोचना के साथ कमजोरी भी बनने वाली है जो आगामी 2028 में देखने को मिलेगी। भाजपा ने तो एक ऐसे अपने बागी जिला सदस्य को फिर से सम्मानपूर्वक भाजपा में लाया है जिसे लेकर चुनाव के दौरान भाजपाइयों व प्रत्याशियों के बीच सड़क पर मारपीट की भी स्थिति निर्मित हो गई थी मामला थाने तक भी पहुंच गया था भाजपाइयों के ऊपर बड़े आरोप लगाए गए थे, बताया जा रहा है कि प्राथमिकी में भी भाजपाइयों के नाम दर्ज है जिसमें प्रत्याशी की शिकायत पर सारी चीज देखने को मिली थी, पर ऐसी घटनाओं के बाद भाजपा के जिलाध्यक्ष का कहीं ना कहीं अपने भाजपाइयों का मनोबल गिराने वाला यह निर्णय माना जा रहा है। जहां गैर पार्टी समर्थित सदस्यों के साथ भाजपा पूर्ण बहुमत से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जिला पंचायत में बनाने का दावा कर रही है तो वहीं जनपद में स्थिति काफी अलग है। जनपद की स्थिति यह है कि भाजपा दूर-दूर तक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाती नजर नहीं आ रही है वहीं गोंडवाना या गैर पार्टी समर्थित जनपद सदस्यों का अहम रोल इस बार रहने वाला है ।

जिला पंचायत में अध्यक्ष की दावेदारी भी पड़ सकती है खटाई में

जिला पंचायत में पूर्ण बहुमत के साथ अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनाने का दावा भाजपा कर रही है, और गैर पार्टी समर्थित सदस्यों को साथ लेकर यह दावा भाजपा का है, लगातार गैर पार्टी समर्थित सदस्यों का सम्मान भाजपा कर रही है गैर पार्टी समर्थित सदस्यों का सम्मान ऐसा हो रहा है जैसे कि भाजपा समर्थित जीते हुए सदस्यों का भी नहीं हुआ होगा, भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को हराने वाले गैर पार्टी समर्थित जीतकर आए सदस्य इस समय भाजपा के लिए देवतुल्य हैं और हारे हुए भाजपा समर्थित प्रत्याशी इस समय असुर लगने लगे हैं। क्योंकि अभी स्वार्थ की राजनीति है और अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनाना उपलब्धि है, इसीलिए उपलब्धियां हासिल करने के लिए असुरों को भी देवतुल मनना गलत नहीं होगा? इतना सब कुछ होने के बाद भी भाजपा के लिए अध्यक्ष पद अभी भी सुरक्षित नहीं है, यह माना जा रहा है ऐसा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि संगठन की पसंद अध्यक्ष पद के लिए अलग है तो वहीं वर्तमान विधायक की पसंद जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए अलग है, संगठन जिसे जिला पंचायत का अध्यक्ष बनाना चाह रही है उसकी उपलब्धि इतनी है की पहली बार में उसने किसी कांग्रेस के बड़े नेता को चुनाव हराया है, इस उपलब्धि पर उसे अध्यक्ष की कुर्सी पर नवाजने की तैयारी है तो वहीं दूसरी महिला नेत्री है जो वर्तमान विधायक की पसंद है पर संगठन के लिए लंबे समय से अपना काम करते आ रही है कई बार की निर्वाचित जनप्रतिनिधि है अभी तक उन्होंने हार का मूह नहीं देखा है भाजपा के लिए दृढ़ता के साथ काम करना ही उनका उद्देश्य रहा है। यही वजह है कि अध्यक्ष पद को लेकर असमंजस की स्थिति बगावत भी पैदा कर सकती है। विधायक की पसंद को लेकर एक बात और है वह है कि वह एक ऐसी आदिवासी नेत्री हैं जो भाजपा के लिए सबसे ज्यादा समर्पित रही हैं और उन्हें कांग्रेस शासनकाल में भी बदलते नहीं देखा गया था।

जिलाध्यक्ष बनाम मोहित व सौभाग्यवती बनाम वर्तमान विधायक भईया लाल राजवाड़े देखा जा रहा है

सूत्रों का दवा है की भाजपा के वर्तमान जिलाध्यक्ष कि सामने सिर्फ 2028 दिख रहा है जिसे देखते हुए वह कांग्रेस से भाजपा में शामिल होकर पहली बार चुनाव जीतने वाले मोहित पैकरा पर उनका जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने का रुझान जाता है उनका कहना है कि जिसने कांग्रेस के दिग्गज नेता को हराया है उसकी योग्यता आगे चलकर भाजपा के लिए 2028 में सफलता दिला सकती है, पर वही वर्तमान विधायक की पसंद सौभाग्यवती इसलिए हैं क्योंकि वह नेत्री को शुरू से ही भाजपा के लिए समर्पित देख रहे हैं और कई चुनाव उसने भाजपा के लिए लड़ा है कहा जाता है कि सरपंच से लेकर जनपद व जनपद से लेकर जिला चुनाव उन्होंने भाजपा समर्थित होकर लड़ा है और जीता है, जनपद में भी वह अध्यक्ष निर्वाचित हो चुकी हैं और अब जिला पंचायत में भी पहली बार में ही अध्यक्ष निर्वाचित होना चाह रही हैं इसलिए उनकी उपलब्धता भाजपा के लिए ज्यादा जरूरी है और काफी अनुभवी नेत्री हैं इसीलिए उनका जिला पंचायत अध्यक्ष बना ज्यादा जरूरी माना जा रहा है।

क्या अभी भी ऐसी संभावना है कि भाजपा से जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी खीसक सकती है?

क्या अभी भी ऐसी संभावना है कि भाजपा से जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी से दूर हो सकता है? तो इस सवाल का जवाब है हां भाजपा से जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी खसक सकती है, यदि कोई अच्छा नेता इसकी कैंपेनिंग करें और भाजपा की फूट को हथियार बनाएं तो ऐसा संभव है पर ऐसा संभव तब होगा जब टुकड़ों में बटी कांग्रेस एक हो पाएगी पर उससे बड़ा असंभव तो यह है कि टुकड़ों में बटी कांग्रेस एक नहीं हो सकती, क्योंकि वहां तो एक दूसरे को हराने की प्रतिस्पर्धा चल रही है जो अगले विधानसभा 2028 में भी देखने को मिलेगी पर अभी भी कांग्रेस में तीन ऐसे नेता हैं जो भाजपा से जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी खींच सकते हैं। आवर्ती नेता कौन है यह जनता के दिमाग व भाजपा कांग्रेस के लोगों के लिए सोचनीय विषय है... और याददाश्त पर दिमाग की परीक्षा भी।

कीटनाशक सेवन कर महिला ने दी जान,पति ने उसके पति पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुमडेवा निवासी एक महिला महाशिवरात्रि की शाम को कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराए थे। यहां इलाज के दौरान शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई। मौत के बाद महिला के पिता ने उसके पति पर प्रताडना का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार दुर्गा यादव पति भागवत यादव उम्र 24 वर्ष उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुमडेवा की रहने वाली थी। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन उसका पति बाइक से उसे देवगढ़ धाम मेला में पहुंचाकर क्रिकेट खेलने चला गया था। वहां किसी रिश्तेदार के बच्चे का मुंडन था। शाम को पति घर पहुंचा तो दुर्गा के मुंह से कीटनाशक का गंध आ रहा था। परिजन उसे इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल ले गए। यहां रेफर करने पर उसे इलाज के लिए अंबिकापुर मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई। वहीं महिला के पिता ग्राम केसमा निवासी पीतांबर यादव ने पुलिस के समक्ष बयान दिया है कि मेरी बेटी को उसका पति प्रताड़ित करता था। आए दिन शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। 26 फरवारी को महाशिवरात्रि के दिन भी मेला जाने की बात को लेकर उसके साथ मारपीट किया था। मारपीट किए जाने की जानकारी महिला ने अपने पिता को मोबाइल से बात कर दी थी।

बलरामपुर के सामरी पाट में नक्सली पोस्टर, पुलिस और वन विभाग को दी धमकी..

- संवाददाता -
बलरामपुर,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

सामरी पाट थाना क्षेत्र अंतर्गत पुंदाग गांव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनाव के बीच की घटना है। शांति भंग करने और आम जनता के बीच भय का माहौल बनाने के उद्देश्य से कुछ लोगों ने नक्सली बैनर और पोस्टर जगह जगह लगाए। इन पोस्टर में पुलिस प्रशासन और वन विभाग के खिलाफ धमकी और अपशब्द लिखे थे, साथ ही चेतावनी भी दी गई थी।

सामरी पाट में नक्सल पोस्टर लगाकर दहशत

पुलिस ने पीएमजीएसवाई विभाग के सहायक अभियंता की शिकायत पर 4 फरवरी को रिपोर्ट

दर्ज किया और जांच शुरू की। ऐसा करने वाले आरोपियों को पकड़ने ने लिए पुलिस ने टीम गठित की व ग्रामीणों से पूछताछ की गई। जिसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया। दोनों आरोपियों के नाम इस्लाम अंसारी और आबिद खलीफा है।

दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर पुलिस ने जब दोनों से नक्सली बैनर और पोस्टर के बारे में पूछताछ की तो दोनों पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करने लगे लेकिन कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने पूरी घटना करना स्वीकार कर लिया है। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

सामरी थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह ने बताया कि नक्सलियों के पोस्टर बैनर लगाकर दहशत फैलाने के मामले में केस दर्ज कर टीम गठित की गई। स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा के बाद आरोपी इस्लाम अंसारी और आबिद खलीफा को घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम की धारा 8 (1) (3)(5) के तहत कार्रवाई करते हुए कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

डीएमएफ से 15 नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र भवन के लिए राशि की गई स्वीकृत

- संवाददाता -
कोरबा,01 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत कोरबा, पाली और करतला विकासखण्ड के अंतर्गत 15 ग्रामों में शासकीय उपस्वास्थ्य केंद्र हेतु नवीन भवन के लिए कुल 5 करोड़ 53 लाख 50 हजार की राशि की स्वीकृति प्रदान की है। नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है। डीएमएफ से कोरबा विकासखण्ड के कुदुरमाल, सोनपुरी, रजगामार में करतला विकासखंड के करईनारा, बरपाली, पठियापाली, तुमान, बेहरचुआं, नोनदरहा में पाली विकासखंड के अंतर्गत जेमरा, पोलमी, पोड़ी, ईरफ,डूमरकछार और चोढ़ा में नवीन शासकीय उपस्वास्थ्य केंद्र हेतु नवीन भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक नवीन भवन हेतु 36 लाख 90 हजार की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

CMYK

संक्षिप्त खेल खबर

डुप्लांटिस ने 11 वीं बार तोड़ा पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड

क्लेरमोंट-फेरैंड,01 मार्च 2025। फ्रांस में ऑल-स्टार पेर्चे मीट में 6.27 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर एक और ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले आर्मंड डुप्लांटिस ने शुक्रवार को कहा, मैंने अभी-अभी किया।स्वीडिश सुपरस्टार, जिसने अब तक अविश्वसनीय 11 बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है, को ऊंचाई पार करने के लिए केवल एक प्रयास की आवश्यकता थी, जिससे ट्रैक पर जश्न का माहौल बन गया।अपनी उपलब्धि पर विचार करते हुए, डुप्लांटिस ने इसे सरलता से सारांशित किया- मुझे वास्तव में बहुत अच्छा लगा। मैं क्या कह सकता हूं, मैं इसे करने के लिए यहां आया था। मैंने इसे करने के लिए सब कुछ तैयार किया। रन-अप वास्तव में बहुत अच्छा रहा। मैंने बस कर दिखाया।

चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं मैथ्यू शॉर्ट

लाहौर,01 मार्च 2025। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने संकेत दिया कि चोटिल सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट शुक्रवार को अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रूप बी के फाइनल में क्वाड चोटिल होने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं।अफगानिस्तान के खिलाफ बारिश के कारण मैच रद्द होने के कारण ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी से सेमीफाइनल में पहुंच गया, जबकि अफगानिस्तान को शीर्ष चार में पहुंचने के लिए इंग्लैंड से कुछ चमत्कार करने की उम्मीद होगी।शॉर्ट को अफगानिस्तान की पारी के अंत में चोट लगी, और ट्रैविस हेड के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करने के बावजूद, वह विकेटों के बीच स्वतंत्र रूप से घूमने में संघर्ष करते रहे, मुख्य रूप से बाउंड्री लगाने पर ध्यान केंद्रित करते रहे। वह 4.3 ओवर में 44 रनों की मूल्यवान ओपनिंग साझेदारी में 15 गेंदों पर 20 रन बनाने में सफल रहे, इससे पहले कि वह मिड-ऑन पर आउट हो गए। मैच के बाद, कप्तान स्टीवन स्मिथ ने शॉर्ट की रिकवरी में समय की कमी को स्वीकार किया।स्मिथ ने मैच के बाद की प्रस्तुति में कहा, मुझे लगता है कि वह संघर्ष कर रहा होगा।

क्या फाइनल में होगी भारत-ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत ?

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बनते दिख रहे आईसीसी 2023 जैसे समीकरण

नई दिल्ली,01 मार्च 2025। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का रोमांच अपने चरम पर है। सेमीफाइनल की 4 में से 3 टीमें तय हो चुकी हैं जबकि चौथी और आखिरी टीम का फैसला होना बाकी है। चैंपियंस ट्रॉफी में आज साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच होने वाले मुकाबले के साथ ही सेमीफाइनल के लिए चौथी टीम भी तय हो जाएगी। साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच 1 मार्च को कराची के नेशनल स्टेडियम में मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले पर अफगानिस्तान के फैंस की निगाहें भी लगी होंगी। दरअसल, ग्रूप-ए से पहले ही भारत और न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच खेला जाने वाला मैच 28 फरवरी को बारिश में धुल गया। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ग्रूप-बी से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। अब सारी लड़ाई सेमीफाइनल के चौथे स्पॉट के लिए है, जिसका फैसला आज रात तक हो जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सभी समीकरणों को देखते हुए तो ऐसा ही लग रहा है जैसे वर्ल्ड कप 2023 की पुनरावृत्ति होने जा रही है। अगर साउथ अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाती है, तो वर्ल्ड कप 2023 जैसी तस्वीर बन जाएगी। भारत में खेले गए 2023 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और

ऑस्ट्रेलिया ने जगह बनाई थी जबकि फाइनल में टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया का आमना-सामना हुआ था। इस बार चैंपियंस ट्रॉफी में सेमीफाइनल की यही तस्वीर नजर आ रही है। हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि सेमीफाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला किस टीम से होता है। इसके लिए साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच होने वाले मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा।

साउथ अफ्रीका के ज्यादा चांस

ग्रूप-बी पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया की टीम 3 मैचों में 4 अंकों के साथ टॉप पर है और सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इंग्लैंड लगातार 2 हार के बाद बाहर हो चुकी है। साउथ अफ्रीका की टीम 2 मैचों में 3 पाइंट्स के साथ दूसरे पायदान पर जबकि अफगानिस्तान 3 मैचों में 3 पाइंट्स के साथ तीसरे पायदान पर हैं। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के पाइंट्स तो बराबर हैं लेकिन नेट रन रेट में बहुत बड़ा अंतर है। साउथ अफ्रीका का नेट रन रेट +2.140 है जबकि अफगान टीम का नेट रन रेट -0.990 है। ऐसे में साउथ अफ्रीका के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना सबसे ज्यादा है।

अफगानिस्तान की उम्मीदें इंग्लैंड पर टिकी

अगर इंग्लैंड की टीम आज के मैच में पहले बल्लेबाजी करती है, तो उसे साउथ अफ्रीका को 207 रनों के बड़े अंतर से हराना होगा। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करती है, तो इंग्लिश टीम को 11.1 ओवर के अंदर टारगेट हासिल करना होगा (दोनों मामलों में पहली पारी का कुल स्कोर 300 मानते हुए)। इन दोनों ही कंडीशन में अफगानिस्तान की टीम अगले राउंड में जा पाएगी और साउथ अफ्रीका ग्रूप स्टेज से बाहर हो जाएगी। हालांकि ऐसा होने की संभावना बहुत कम हैं। साउथ अफ्रीका की टीम हार के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंच सकती है क्योंकि उसका नेट रन रेट पॉजिटिव में हैं।

हॉकी इंडिया ने महिला चैंपियनशिप में प्रमोशन और रेलीगेशन सिस्टम शुरू किया

प्रदर्शन बेहतर करना प्रमुख लक्ष्य

नई दिल्ली,01 मार्च 2025। हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी में खेल के स्तर को बेहतर करने के लिए बड़ा फैसला लिया है, जिसमें उन्होंने सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 जो 12 मार्च तक पंचकूला के ताऊ देवी लाल हॉकी स्टेडियम में होगी उसमें प्रमोशन और रेलीगेशन सिस्टम को भी शुरू किया जाएगा। इस नियम के लागू होने से टूर्नामेंट में सभी टीमों को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा भी मिलेगी। इस बार सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में कुल 28 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें सभी प्लेयर्स के प्रदर्शन पर पैनी नजरें रहने वाली हैं।

तीन अलग-अलग ग्रूपों में बांटा गया टीमों को

सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा लेने वाली कुल 28 टीमों को तीन अलग-अलग ग्रूपों में बांटा गया है, जिसमें डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी। मोशन और रेलीगेशन सिस्टम की शुरुआत होने के साथ टीमों के उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टॉप डिवीजन तक पहुंचने प्रमोशन का जहां मौका मिलेगा तो वहीं खराब प्रदर्शन पर निचली डिवीजन में खिसकने का एक दबाव रहेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नए नियम के लागू होने के बाद दिए बयान में कहा कि प्रमोशन और रेलीगेशन सिस्टम की शुरुआत देश भर में हॉकी प्रदर्शन के स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक अहम फैसला है। इस सिस्टम के लागू होने से चैंपियनशिप में हर मैच का महत्व सुनिश्चित होगा चाहे वह फिर चाहे फाइनल मैच हो या रेलीगेशन से बचने के लिए।

हरियाणा सहित टॉप-12 टीमें डिविजन ए में

हरियाणा सहित शीर्ष 12 टीमें प्रतिष्ठित चैंपियनशिप ट्रॉफी के लिए डिवीजन ए में प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में हॉकी हरियाणा, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हॉकी कर्नाटक शामिल हैं। हॉकी महाराष्ट्र, मणिपुर हॉकी, हॉकी पंजाब पूल बी में हैं। पूल सी में हॉकी झारखंड, हॉकी मिजोरम, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और पूल डी में हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी बंगाल, उत्तर प्रदेश हॉकी शामिल हैं। हर पूल से टॉप-2 टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी, जिसमें 10 मार्च को सेमीफाइनल और 12 मार्च को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

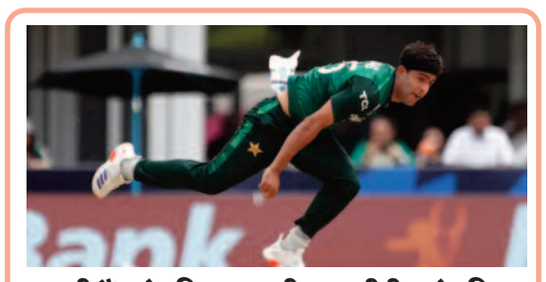

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी 20 सीरीज के लिए नए खिलाड़ियों को शामिल करेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली,01 मार्च 2025। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के बुरी तरह हारने के बाद, पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज राशिद लतीफ ने संकेत दिया कि उनकी टीम 16 मार्च से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम में नए चेहरे शामिल करेगी।आठ टीमों के टूर्नामेंट में एक भी मैच जीतने में विफल रहने वाली और जल्दी बाहर होने वाली पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड में पांच टी 20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए जाएगी। वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जांच के बाद, लतीफ ने एक्स को उन खिलाड़ियों की सूची साझा की, जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए विचाराधीन रखा गया है। अनुभवी खिलाड़ी के अनुसार, हसन नवाज, अली रजा, अब्दुल समद, आकिफ जावेद और मुहम्मद नफे आगामी सीरीज के लिए विचाराधीन सूची में हैं।लतीफ ने यह भी कहा कि ऑलराउंडर शादाब खान सबसे छोटे प्रारूप के लिए दौरे पर जाने वाली टीम के संभावित कप्तान होंगे, जबकि मुहम्मद हारिस, सुफियान मुकीम, अराफात मिन्हास, इरफान खान नियाजी, जमान खान, मोहम्मद वसीम, अब्बास अफरीदी, जहानदाद खान, आगा सलमान, अबरार अहमद, ओमैर बिन यूसुफ और खुशदिल शाह दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों में शामिल हैं।

दुबई में भारत से सेमीफाइनल खेलने के लिए पहुंचेंगी दो टीमें

इस वजह से लिया गया बड़ा फैसला...

नई दिल्ली,01 मार्च 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा रहा है। एक तरफ पाकिस्तान में इस टूर्नामेंट के मैच कराची, लाहौर और रावलपिंडी में हो रहे हैं, तो वहीं भारतीय टीम के सभी मैच यूएई के दुबई क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे हैं। भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है और उसका सेमीफाइनल मुकाबला दुबई में ही चार मार्च को खेला जाएगा। लेकिन किसके साथ खेला जाएगा। ये अभी तय नहीं हुआ है। भारत का सेमीफाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका में से किसी एक से हो सकता है।

अभी तक तीन टीमें सेमीफाइनल में मार सकती हैं एंट्री

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का एक सेमीफाइनल चार मार्च को दुबई में होगा और दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को लाहौर में खेला जाएगा। अभी तक ग्रूप-ए से भारत, न्यूजीलैंड और ग्रूप-बी से ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में एंट्री मारी है। साउथ अफ्रीका के भी सेमीफाइनल में पहुंचने के पूरे चांस हैं। अब आईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक ग्रूप बी से क्वालीफाई करने वाली दोनों टीमें-संभवतः ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें यूएई का सफर करेंगी।

एक टीम दुबई से आएगी वापस

ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों टीमों को भेजने का फैसला इस वजह से लिया गया है ताकि उन्हें दुबई में 4 मार्च को होने वाले सेमीफाइनल के लिए ज्यादा समय तैयारी के लिए मिल सके। वहां सिर्फ एक ही टीम रहेगी और दूसरी टीम अगले ही दिन पाकिस्तान लौट आएगी। भारत के साथ सेमीफाइनल कौन सी टीम खेलेगी ये 2 मार्च के बाद ही पता जाएगा। भारतीय टीम अभी 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच खेलेगी। इस मैच से ही तय होगा कि प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर कौन सी टीम रहेगी।

साउथ अफ्रीका के पहुंचने के पूरे चांस

ऑस्ट्रेलिया का अफगानिस्तान के खिलाफ मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। जिसके बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिया गया। इस मैच के बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी। वह दुबई के लिए निकल चुकी है। दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका का भी सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय है, तो वे भी इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद कराची से दुबई के लिए निकलेंगे। अगर साउथ अफ्रीका बनाम इंग्लैंड के मैच में कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो अफगानिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचेगी। उस स्थिति में वे भी दुबई के लिए रवाना होंगे। यानी के भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मैच तो एक ही खेलेगी, लेकिन तैयारी के लिए दो टीमें दुबई पहुंचेंगी।

सिनर का लॉरियस नामांकन रद्द

नई दिल्ली,01 मार्च 2025। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने घोषणा की है कि वह 2025 के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है।

यह निर्णय हाल ही में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा इतालवी खिलाड़ी पर लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में अकादमी ने बताया कि मामले से जुड़ी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, निलंबन ने सिनर के नामांकन को अयोग्य बना दिया।

लॉरियस अकादमी द्वारा चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए जानिक सिनर का नामांकन वापस लिया जाता है। हमने इस मामले में संबंधित वैश्विक निकायों के निर्णयों का अनुसरण किया है और यद्यपि हम इसमें सम्मिलित परिस्थितियों को देखते हैं- हमारा मानना है कि तीन महीने का प्रतिबंध नामांकन को अयोग्य बनाता है। जानिक और उनकी टीम को सूचित कर दिया गया है।

गोविंदा वाला चार्म,फिर भी लगाई फ्लॉप की झड़ी

एक्टिंग छोड़ किया ये काम,अब चमकी तब्बू के जीजा की किस्मत

बॉलीवुड में सफल होने के अलग-अलग पैमाने हैं। कई अभिनेता और अभिनेत्रियां लंबी कोशिश के बाद भी सफल नहीं हो पाते। ऐसा कई बार देखा गया है कि एक्टर्स अपने लक्ष्य को पाने के लिए सही रास्ता भी अपनाते हैं, हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद वे असफल हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही अभिनेता के बारे में बताएंगे, जिसने 1987-1995 तक खूब लोकप्रियता हासिल की। इस दौरान उन्होंने 30 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और अपने लुक्स की वजह से अक्सर उनकी तुलना गोविंदा से की जाती थी। जब इस अभिनेता ने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब गोविंदा, मिथुन चक्रवर्ती, संजय दत्त, अनिल कपूर और सुनील शेट्टी सुपरस्टार थे, यही एक वजह थी कि उन्हें कभी लीड एक्टर के तौर पर सफलता नहीं मिली।

इस फिल्म से किया था डेब्यू

हम किसी और की नहीं बल्कि सुमीत सहगल की बात कर रहे हैं, जो अपने एक्टिंग करियर में सफल तो नहीं हो पाए, लेकिन इसके बाद उन्होंने जो फैसला लिया, वह उनके लिए बेहद लकी साबित हुआ। सुमीत सहगल ने इंसानियत के दुश्मन से डेब्यू किया था। हालांकि इस फिल्म से उन्हें ज्यादा पहचान नहीं मिली। इसके बाद वह इमानदार, परम धर्म, लश्कर, पति पत्नी और तवायफ और गुनाह जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आए। कुछ हिट फिल्मों का हिस्सा होने के बावजूद सुमीत सहगल एक अभिनेता के रूप में सफल होने में असफल रहे।

ये थी आखिरी फिल्म

सुमीत सहगल आखिरी बार साल 1995 में फिल्म साजन की बाहों में नजर आए थे। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह दिया और प्रोडक्शन में हाथ आजमाया। उन्होंने सुमीत आर्ट्स नाम से एक कंपनी बनाई, जो दूसरी भाषाओं की फिल्मों को हिंदी में डब करने लगी। इस कंपनी ने सुमीत सहगल की किस्मत बदल दी और उन्हें सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। जल्द ही वे प्रोड्यूसर बन गए और बॉलीवुड फिल्मों में पैसा लगाना शुरू कर दिया।

एक्ट्रेस से की शादी

निजी जिंदगी की बात करें तो पेशेवर तौर पर मुश्किल दौर से गुजर रहे सुमीत सहगल बॉलीवुड सुपरस्टार तब्बू की बहन फराह नाज के करीब आ गए। इसके बाद सुमीत सहगल ने अपनी पहली पत्नी शाहीन बानू से तलाक ले लिया और साल 2003 में फराह नाज से शादी कर ली। यह फराह नाज की भी दूसरी शादी थी, क्योंकि सुमीत से शादी करने से पहले उनकी शादी विंदू दारा सिंह से हुई थी। इन दिनों सुमीत अपनी दूसरी पत्नी फराह नाज के साथ करोड़ों की कंपनी संभाल रहे हैं।

अदिवी शेष की फिल्म डकैत में अनुराग कश्यप की एंट्री

अदिवी शेष स्टारर पैन इंडिया एक्शन ड्रामा डकैत एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म की फीमेल लीड मृणाल ठाकुर हैं। निर्माताओं ने अब कलाकारों में एक और प्रमुख नाम का खुलासा किया है। फिल्म निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप फिल्म में एक प्रभावशाली रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में कश्यप एक निडर इंस्पेक्टर की भूमिका निभाएंगे, जो एक कट्टर अयप्पा भक्त है, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलेरेंस रखता है। उनका कैरेक्टर तेज दिमाग और मजाकिया है। यह कैरेक्टर एक्शन, इमोशन और ड्रामा से भरी एक मनोरंजक कहानी में नए आयामों को जोड़ता है।फिल्म के प्रति दर्शकों के मन में रोमांच को बढ़ाते हुए, टीम ने एक आकर्षक नया पोस्टर भी जारी किया है, जो फिल्म की दमदार, एक्शन से भरपूर कहानी को और भी इंटेंस बनाता है। डकैत एक ऐसे गुस्सैल अपराधी की यात्रा है, जो अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेना चाहता है, जिसने उसे धोखा दिया था। वह उसे फंसाने के लिए एक खतरनाक योजना बनाता है और इस तरह यह कहानी प्यार, विश्वासघात और प्रतिशोध की भावनात्मक गाथा में बदल जाती है।फिल्म से जुड़ कर अनुराग कश्यप काफी रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाना, जो अयप्पा का भक्त है, मजेदार और चुनौतीपूर्ण है। कर्तव्य बनाम धर्म की पहेली और ड्राई ह्यूमर के साथ अपना काम करना शानदार है, मैं वास्तव में दो भाषाओं में इस किरदार को निभाने को ले कर उत्सुक हूं, मैं हिंदी के साथ-साथ तेलुगू में भी शूटिंग करूंगा। दोनों भाषाओं में एक जैसा प्रभाव ला पाना चुनौतीपूर्ण होता है, जिसे मैं पूरी तरह से एन्जॉय कर रहा हूं।शैनिल देव के डायरेक्शन में बनी इस महत्वाकांक्षी फिल्म को सुप्रिया यारलागड्डा प्रोड्यूस किया है। सुनील नारंग इसके को-प्रोड्यूसर हैं। अन्नपूर्णा स्टूडियो इस फिल्म को पेश कर रहे हैं. फिल्म को हिंदी और तेलुगू में एक साथ शूट किया जा रहा है। इसकी कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शैनिल देव ने मिलकर तैयार की है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। इसके बाद महाराष्ट्र में भी शूटिंग का एक व्यस्त शेड्यूल है।

CMYK

सरकार पर भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के आरोप

» विशेष अदालत ने शुरू की कार्रवाई

रायपुर,01 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में 2200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले ने एक बार फिर राज्य की विष्णु देव सरकार सवालों के घेरे में है। विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत ने इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है, लेकिन सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि वह भ्रष्टाचार में शामिल जिला आबकारी अधिकारियों को संरक्षण दे रही है। यह मामला तब और गंभीर हो गया है, जब सरकार ने इन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति देने से इनकार कर दिया है।

शराब घोटाले का क्या है पूरा मामला?

छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रही है। इस मामले में आठ कंपनियों और व्यापारिक संस्थाओं को आरोपी बनाया गया है। इनमें वेलकम डिस्टिलरीज़, भाटिया वाइन मर्चेंट्स, सीजी डिस्टिलरीज़, एम/एस नेक्स्ट जेन, दिशिता वेंचर्स, ओम साईं बेवरेजेज, सिद्धार्थ सिंघानिया और एम/एस टॉप सिक्योरिटीज शामिल हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि इन कंपनियों ने अवैध शराब कारोबार से अर्जित धन को बेनामी लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए सफेद धन में बदलने का प्रयास किया। विशेष पीएमएलए अदालत ने अनवर ढेबर की ओर से दाखिल धारा 190 सीआरपीसी याचिका को स्वीकार कर लिया है। यह फैसला घोटाले से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि जहां विशेष अदालत ने कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, वहीं जिला आबकारी अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति नहीं दी गई है। परिवाद पत्र में उल्लेखित तथ्यों के आधार पर जिला आबकारी अधिकारियों और सहायक जिला आबकारी अधिकारी जनार्दन सिंह कौरव के अपराध में संलिप्त होने के सबूत मिले हैं। लेकिन, उनके लोक सेवक होने और उनके खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति नहीं मिलने के कारण उन पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे सवाल उठ रहे हैं कि क्या विष्णु देव सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है? विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार की राह पर चल रही है, जिसमें भ्रष्टाचार को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई थी। विशेष पीएमएलए अदालत ने इस मामले में धारा 190 सीआरपीसी के तहत संज्ञान लिया है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, इस धारा के तहत किसी भी मजिस्ट्रेट को यह अधिकार प्राप्त है कि वह पुलिस रिपोर्ट, शिकायत या अन्य विश्वसनीय सूचना के आधार पर किसी अपराध पर संज्ञान ले सकता है। इस मामले में अदालत द्वारा संज्ञान लिए जाने का मतलब है कि अब औपचारिक रूप से इस घोटाले की न्यायिक जांच शुरू हो गई है।

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में अब तक 2100 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध वसूली, फर्जी बिलिंग और बेनामी कंपनियों के माध्यम से धन शोधन का खुलासा हुआ है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि शराब कारोबारियों और सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हुईं।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप

29 नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा अनवर ढेबर को दी गई जमानत को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि बड़े आर्थिक अपराधों में लिप्त आरोपी केवल स्वास्थ्य आधार पर राहत नहीं पा सकते, जब तक कि कोई सरकारी चिकित्सा बोर्ड इसकी पुष्टि न करे।

इस मामले के राजनीतिक रूप से क्या मायने हैं?

इस मामले ने विष्णु देव सरकार के सुशासन के दावों को चुनौती दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गारंटी दी थी। लेकिन, इस मामले में सरकार की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगी हुई है, जो उनके सुशासन के दावों को खोखला साबित करता है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल रमेन डेका को जन्मदिन की बधाई

लिखा-आपके मार्गदर्शन पर चल रही हमारी सरकार

रायपुर,01 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल रमेन डेका को जन्मदिन की बधाई दी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय में एक्स पर लिखा, छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका जी आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने ने लिखा- राज्यपाल के रूप में आपके मार्गदर्शन में हमारी सरकार संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए प्रदेश के लोगों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मां कामाख्या से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना करता हूं।

महादेव कावरे बने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के नए कुलपति

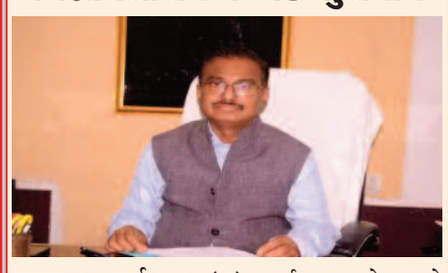

रायपुर,01 मार्च 2025(ए)। आईएएस महादेव कावरे को कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। बता दें, वर्तमान कुलपति बल्देव भाई शर्मा का कार्यकाल 4 मार्च को पूर्ण होने के बाद रायपुर संभागायुक्त पदभार ग्रहण करेंगे।

आरक्षक भर्ती घोटाला में एक और महिला कांस्टेबल गिरफ्तार

अब तक 16 आरोपी पकड़े गए...

राजनांदगांव,01 मार्च 2025(ए)। राजनांदगांव में आरक्षक भर्ती परीक्षा में अनुचित तरीके से अंक बढ़ाने के मामले में एक और आरोपी महिला आरक्षक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इस मामले में अब तक 8 पुलिस कर्मी, 5 टेकनीशियन टीम के सदस्य और 2 महिला अभ्यर्थियों सहित कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले की विवेचना जारी है, और अन्य किसी के भी खिलाफ सबूत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस छोड़ देंगे,सवाल पर अमरजीत भगत का बड़ा बयान

रायपुर,01 मार्च 2025(ए)। पूर्व खाद्य मंत्री, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमरजीत भगत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, सरगुजा में सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के

सीतापुर नगर पंचायत में कांग्रेस को जीत दिलाई।. लोकसभा चुनाव में भी सीतापुर विधानसभा से मैं कांग्रेस को लीड दिलाया। बस्तर व सरगुजा के साथ जो चलेगा उसकी सरकार बनेगी। अमरजीत ने कहा, जब से देश आजाद हुआ है तब से आज तक सरगुजा से किसी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बागडोर नहीं संभाली है। मैं कभी कांग्रेस नहीं छोड़ूंगा, कांग्रेस का झंडा थामे रहूंगा। वह पार्टी के छोटे सिपाही हैं, जो हाई कमान का आदेश होता है वह उसका पालन करते हैं।

छात्रा ने डॉक्टर पर शराब पीने और शारीरिक संबंध हेतु दबाव बनाने का लगाया आरोप

रायपुर,01 मार्च 2025(ए)। राजधानी रायपुर में शिक्षक और छात्रा के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, बता दें कि पं.

जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की पीजी छात्रा ने अपने एचओडी डॉक्टर आशीष सिन्हा पर यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। कम्युनिटी मेडिसीन डिपार्टमेंट की छात्रा ने एचओडी के खिलाफ डायरेक्टर ऑफ मेडिकल एजुकेशन को पत्र लिखकर आपबीती बताई है।

छ.ग.में पहली बार सनातनी परंपरा के साथ शपथ

मेयर संजय पाण्डेय ने सनातन परंपरा पर चलकर किया शपथ ग्रहण

जगदलपुर,01 मार्च 2025 (ए)। नगर निगम जगदलपुर के महापौर संजय पांडे पूरे प्रदेश में इकलौते महापौर हैं जिन्होंने, सनातनी परंपरा के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण और शंख ध्वनि के बीच शपथ ग्रहण किया है। मंच पर समृद्ध संस्कारों की शानदार झलक भी देखने को मिली। संजय पांडे में मंचस्थ वरिष्ठजनों के चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया। आज हजारों लोगों और पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच उप मुख्यमंत्री अरुण साव की उपस्थिति में संजय पांडे ने महापौर पद की शपथ ली। इसके पूर्व वे अपने निवास से पत्नी के संग दो पहिया वाहन बुलेट पर सवार होकर अपने पड़ोसियों से दुआ सलाम करते हुए, दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे। वहां पुजारी ने उन्हें पूजा कराई। माई से आशीर्वाद लेकर संजय पांडे समारोह स्थल पर पहुंचे।

जगदलपुर नगर निगम को मिला नया मेयर

डिप्टी सीएम अरुण साव की मौजूदगी में नव निर्वाचित महापौर व पार्षदों ने ली शपथ

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जगदलपुर के नव निर्वाचित महापौर एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मंदिर प्रांगण जगदलपुर में संपन्न हुआ। इस मौके पर कलेक्टर हरिस एस. ने महापौर एवं पार्षदों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदगण अटल विश्वास पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा कर जगदलपुर शहर को स्वच्छ, सुन्दर एवं सुविधापूर्ण शहर बनाने की दिशा में दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार जगदलपुर शहर की तरक्की के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

12वीं बोर्ड परीक्षा में नहीं बैठ पाए ये 36 स्टूडेंट्स

एडमिट कार्ड हुआ निरस्त

बिलासपुर,01 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा आज से शुरू हो रही है, लेकिन परीक्षा से ठीक 24 घंटे पहले बिलासपुर के 36 छात्रों का एडमिट कार्ड निरस्त कर दिया गया। तिलक नगर स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम हायर सेकेंडरी स्कूल के इन छात्रों का प्रवेश पत्र पहले जारी कर दिया गया था, लेकिन 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति का हवाला देते हुए बोर्ड ने उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी।इस फैसले से छात्रों और उनके परिजनों में नाराजगी फैल गई। गुस्साए अभिभावकों ने स्कूल में हंगामा किया। मामला उपमुख्यमंत्री अरुण साव तक पहुंचा, जिसके बाद एबीव्हीपी ने भी अपनी ही सरकार के खिलाफ विरोध जताया। जिसके बाद नतीजा ये निकला कि छात्र नियमित नहीं बल्कि प्राइवेट परीक्षा देंगे।

जरूरतमंद बच्चों की एजुकेशन फीस की व्यवस्था कर रहा छत्तीसगढ़ मिशन-गुरमीत सिंह सैनी

» शिक्षा के प्रचार-प्रसार में सिक्ख मिशन का बड़ा योगदान

रायपुर,01 मार्च 2025(ए)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा विशाखापटनम आंध्रप्रदेश में भिन्न-भिन्न स्कूल/ कॉलेजों में पढ़ रहे 105 सिकलीगर और वंजारे सिक्ख बच्चों की वर्ष 2023-24 की 16 लाख 70 हजार रुपये की फीस की राशि संबंधित स्कूल/कॉलेजों के प्रबंधकों को सौपी गई। इसे कुछ दिन पहले धर्म प्रचार कमेटी द्वारा रायपुर में भी छत्तीसगढ़ के भिन्न-भिन्न शहरों के स्कूल/ कॉलेजों में पढ़ रहे 111 सिक्ख सिकलीगर और वंजारे सिक्खों के बच्चों की 13 लाख 44 हजार रुपये की फीस राशि दी गई। कुछ दिन पहले विजयवाडा आंध्रप्रदेश में भी भिन्न-भिन्न स्कूल/ कॉलेजों में पढ़ रहे सिकलीगर और बंजारे सिक्ख बच्चों की वर्ष 2023-24 की 5 लाख 83 हजार रुपये की फीस राशि दी गई। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा वर्ष 2010 से लगातार हर वर्ष स्कूल/कॉलेजों की फीस का भुगतान किया जा रहा है। ये राशि शिरोमणि कमेटी के मैंबर सरदार राजिन्दर सिंह महिता, सरदार सुरजीत सिंह भीटेवंड, सरदार सुखवर्ष सिंह पननू और सचिव सरदार बलविंदर सिंह काहलवां द्वारा प्रबंधकों को सौपी गई। इस संबंध में बात करते समय इंचार्ज सिक्ख मिशन छत्तीसगढ़ सरदार गुरमीत सिंह सैनी ने बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी धर्म प्रचार के साथ-साथ समाजिक कार्यों में भी अहम रोल अदा करती है। पिछले कई वर्षों से सिकलीगर और वंजारे सिक्ख बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर वर्ष स्कूल/ कॉलेजों की फीस कमेटी द्वारा अदा की जा रही है जिसे वो भविष्य में आपने पैरों पर खड़ा हो सके।

कांग्रेस के पास हार छिपाने का कोई बहाना नहीं, इसीलिए ईडी के नाम पर कर रहे झूठी राजनीति : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर,01 मार्च 2025(ए)। ईडी की जांच कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन तक पहुंचने के बाद सियासत गर्म है। कांग्रेस ने सरकार पर ईडी का दुरूपयोग कर डराने का आरोप लगाया है। वहीं इस मामले पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि जिस प्रकार से निकाय का परिणाम आया है, उसमें कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है। कांग्रेस पार्टी की दुर्दशा हुई है। कांग्रेस ईवीएम में भी पराजित हुई और मत पत्र में भी पराजित हुई।. अब हार को छिपाने का कोई बहाना नहीं बचा है, इसलिए ईडी के नाम पर जनता में भ्रम फैलाने राजनीति कर रहे हैं। ईडी साक्ष्य और तथ्यों पर आधारित कार्रवाई कर रही है।

निजी स्कूलों के साथ अभिभावकों के लिए मुसीबत बनी 5 वीं-8 वीं बोर्ड की परीक्षा

बिलासपुर,01 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त स्कूलों में इसी सत्र से 5वीं और 8वीं की परीक्षा लेने का आदेश निजी स्कूलों के साथ अभिभावकों के लिए गले की फांस बन गया है। आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में लगाई गई याचिका पर अगली सुनवाई 3 मार्च को होगी।

पाठ्य पुस्तक निगम की बजाय निजी प्रकाशकों की किताबें पढ़ा रहे छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबद्ध निजी स्कूलों के लिए मुसीबत बन गया है। ऐसे में राहत के लिए निजी स्कूलों ने

हाई कोर्ट में याचिका लगाई है। इस आदेश से परेशान अभिभावकों ने भी हाई कोर्ट में अपनी याचिका लगाई है। मामले में निजी स्कूल एसोसिएशन का कहना है कि उन्होंने पहले ही शिक्षा विभाग को लिखकर दिया था कि वो सीजी समग्र एवं मूल्यांकन पैटर्न पर बच्चों को पढ़ा रहे हैं। अब तक इन कक्षाओं के होम एग्जाम हुआ करते थे, लेकिन सत्र के आखिर में सीजी बोर्ड से पांचवीं और आठवीं की परीक्षा आयोजित किया जा रहा है। मामले में पूर्व में हुई सुनवाई में स्कूल शिक्षा विभाग ने दस दिन का समय मांगा था। आज जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच में सुनवाई के दौरान कहा कि इसी मामले में दो अन्य याचिकाएं भी लगाई गई हैं। कोर्ट ने इन सब पर सोमवार 3 मार्च को एक साथ सुनवाई की बात कही।

सुकमा में दो नक्सली ढेर,हथियार बरामद

सुकमा,01 मार्च 2025(ए)। एक बार फिर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। जिसमें सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। साथ ही मौके से हथियार भी बरामद कर ली गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ पामेड़ के जंगलों में हो

रही है। दरअसल, बस्तर में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए जवानों द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जवान आज सर्चिंग के लिए निकले हुए थे। इसी दौरान पामेड़ के जंगलों में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)